श्रमसाधना

श्रम की शक्ति, राष्ट्र की प्रगति

हम बनेंगे आपकी आवाज
स्कैन करें और चैनल से जुड़े

shramsadhnagwl@gmai.com

www.shramsadhnanews.com

दैनिक सांध्यकालीन

RNI रजि. क्र. 50069/89

वर्ष : 38, अंक : 70 ग्वालियर, शनिवार 10 अक्टूबर 2026
विक्रम संवत् 2083 पृष्ठ 12, मूल्य 1 रुपया

डाक पंजीयन
L-2-13/समा.पत्र/पं. 40020181/22-23

मुख्यमंत्री ने समाधान ऑनलाइन में सुनीं समस्याएं, लापरवाह अधिकारियों पर अर्थदंड लगाने के निर्देश

दस माह से मानदेय लंबित रखने पर जिला संयोजक निलंबित

भोपाल जीएनएस

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने हरदा में मुख्यमंत्री जनविश्वास अभियान के तहत समाधान ऑनलाइन में जनसमस्याओं की समीक्षा करते हुए पांच आवेदकों से संवाद किया और संबंधित अधिकारियों को तत्काल निराकरण के निर्देश दिए। दस माह से अधिक समय तक महिला कर्मचारी का मानदेय लंबित रखने और शिकायत के निराकरण में लापरवाही पर आदिम जाति कल्याण विभाग के जिला संयोजक प्रमोद माथुर को निलंबित करने के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आमजन की समस्याओं का निराकरण जिम्मेदारी और संवेदनशीलता के साथ किया जाए। शासन-प्रशासन जनता की सेवा के लिए है और शिकायतों के निराकरण में लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने सीएम हेल्पलाइन की लंबित शिकायतों पर नाराजगी जताते हुए लोक सेवा गारंटी अधिनियम के तहत निर्धारित समय-सीमा में निराकरण नहीं करने वाले अधिकारियों पर अर्थदंड लगाने के निर्देश दिए।

बिजली बिल और लंबित शिकायतों की समीक्षा : मुख्यमंत्री ने संदीप गौर की कृषि यंत्रों पर अनुदान तथा सतीश उइके की बिजली बिल संबंधी शिकायत सुनी। उन्होंने विद्युत विभाग के अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई करने और बिजली बिलों से जुड़ी शिकायतों का समय पर निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। पुलिस विभाग की 100 दिन से अधिक समय से लंबित 27

शिकायतों पर भी नाराजगी जताई। पुलिस अधीक्षक को स्वयं समीक्षा कर लंबित मामलों का प्राथमिकता से निराकरण कराने को कहा। कृषि, ऊर्जा, महिला एवं बाल विकास, पंचायत, राजस्व और गृह विभाग की लंबित शिकायतों की भी समीक्षा की।

मुख्यमंत्री ने कलेक्टरों को शिकायतों की व्यक्तिगत निगरानी करने और कर्मचारियों का वेतन समय पर सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। मुख्य सचिव अशोक बर्णवाल ने नल-जल योजनाओं की निरंतर निगरानी तथा पूर्ण योजनाओं का शीघ्र हस्तांतरण करने को कहा।

उद्यमियों, युवाओं और किसानों से संवाद : मुख्यमंत्री ने हरदा में उद्यमियों, युवाओं और किसानों से संवाद कर शासकीय योजनाओं से लाभान्वित हितग्राहियों के अनुभव जाने। उन्होंने कहा कि स्थानीय उत्पादों को बाजार से जोड़ने, आधुनिक तकनीक अपनाने और रोजगार के नए अवसर विकसित करने से आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश का लक्ष्य मजबूत होगा।

उद्यमी पलाश करोड़े ने बताया कि रजाई निर्माण इकाई में करीब 72 लोगों को रोजगार मिला है। गौरव माहेश्वरी ने प्रस्तावित बायो सीएनजी संयंत्र से आय बढ़ने और पराली जलाने से होने वाले प्रदूषण में कमी की संभावना बताई। गुरचरण लाल ने करीब 30 हजार लैंड लेवलर बनाने और 12 जिलों में बिक्री की जानकारी दी। दीपक उपाध्याय की मूंगदाल इकाई के उत्पाद चीन, दुबई और अमेरिका सहित विभिन्न बाजारों तक पहुंच रहे हैं।

'मिशन कोड शक्ति' की सराहना : मुख्यमंत्री ने 'मिशन कोड शक्ति' नवाचार की सराहना की। कलेक्टर सिद्धार्थ जैन ने बताया कि इसके माध्यम से जिले के 2,500 विद्यार्थी वेबसाइट डिजाइनिंग, वेब बेसिक्स और प्रोग्रामिंग सीख रहे हैं। उद्यमी अर्चना नागर ने बताया कि उनके ब्रांड 'बरगंडी बाग' से करीब एक हजार जनजातीय महिलाएं जुड़ी हैं। किसानों ने प्राकृतिक खेती, गो आधारित उत्पादों, साइलेज निर्माण और डेयरी व्यवसाय से बढ़ती आय के अनुभव साझा किए। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को हरदा में औद्योगिक विकास, नर्मदा परिक्रमा पथ के विकास और जनसमस्याओं के त्वरित निराकरण पर ध्यान देने के निर्देश दिए। कार्यक्रम में केंद्रीय जनजातीय कार्य राज्यमंत्री दुर्गादास उइके, पूर्व कृषि मंत्री कमल पटेल, मुख्य सचिव अशोक बर्णवाल सहित जनप्रतिनिधि और अधिकारी उपस्थित रहे।

अमित शाह के प्रस्तावित दौरे को लेकर मलगढ़ा में कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण

ग्वालियर जीएनएस

ग्वालियर में प्रस्तावित टेलीकॉम मैन्युफैक्चरिंग जोन के भूमिपूजन समारोह की तैयारियों का शुक्रवार को जनप्रतिनिधियों और प्रशासनिक अधिकारियों ने जायजा लिया। कार्यक्रम में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह का ग्वालियर आगमन प्रस्तावित है। तैयारियों के सिलसिले में अधिकारियों ने मलगढ़ा थाने के समीप स्थित मैदान का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं पर चर्चा की। निरीक्षण के दौरान क्षेत्रीय सांसद भारत सिंह कुशवाह, भाजपा जिला अध्यक्ष जयप्रकाश राजौरिया, कलेक्टर रुचिका चौहान, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक धर्मवीर सिंह, विशेष क्षेत्र

विकास प्राधिकरण की मुख्य कार्यपालन अधिकारी अनीशा श्रीवास्तव और एडीएम सीबी प्रसाद सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं विभागीय अधिकारी मौजूद रहे।

कलेक्टर रुचिका चौहान और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक धर्मवीर सिंह ने प्रस्तावित कार्यक्रम स्थल पर सुरक्षा व्यवस्था, यातायात प्रबंधन और अन्य आवश्यक इंतजामों को लेकर चर्चा की। अधिकारियों ने समारोह के सुचारु आयोजन के लिए व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

आरामील रोड पर बैग में मिला 3 किलो गांजा, युवक गिरफ्तार

ग्वालियर जीएनएस

हजीरा थाना पुलिस ने अवैध मादक पदार्थों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए आरामील रोड के पास से एक युवक को गिरफ्तार किया है। उसके पास मिले पिट्ठू बैग से 2 किलो 996 ग्राम गांजा बरामद किया गया। पुलिस ने गांजे के साथ मोबाइल और 230 रुपए नकद भी जब्त किए हैं। बरामद गांजे की कीमत करीब डेढ़ लाख रुपए बताई गई है। पुलिस के अनुसार, 8 अक्टूबर को मुखबिर से सूचना मिली थी कि श्री पटरी वाले बालाजी, आरामील रोड के पास एक युवक गांजा लेकर बैठा है। सूचना के आधार पर वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देश पर हजीरा थाना पुलिस की टीम मौके पर पहुंची। वहां संदिग्ध अवस्था में बैठे युवक से पूछताछ की गई। उसने अपना नाम सचिन रजक (19), निवासी ग्राम इकहारा, थाना बिजौली, ग्वालियर बताया।

पुलिस ने युवक के पिट्ठू बैग की तलाशी ली तो उसमें सफेद पॉलीथिन में गांजा रखा मिला। तौल कराने पर गांजे का वजन 2 किलो 996 ग्राम निकला। पुलिस ने मादक पदार्थ सहित अन्य सामग्री जब्त कर आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट की धारा 8/20 के तहत प्रकरण दर्ज किया और उसे गिरफ्तार कर लिया। पुलिस आरोपी से गांजे के संबंध में पूछताछ कर रही है। यह कार्रवाई वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक धर्मवीर सिंह के निर्देश पर, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (पूर्व) डॉ. शिवेश सिंह बघेल के मार्गदर्शन और सीएसपी महाराजपुरा नागेंद्र सिंह सिकरवार के निर्देशन में की गई। कार्रवाई में थाना प्रभारी निरीक्षक जितेंद्र सिंह तोमर सहित उपनिरीक्षक राजकुमार राजावत, प्रधान आरक्षक धर्मेंद्र तोमर और आरक्षक ध्रुव सिंह गुर्जर, प्रमोद शर्मा, अखिलेश छारी तथा योगेंद्र सिंह तोमर की भूमिका रही।

उद्यानिकी फसलों के उत्पादन, गुणवत्ता, ग्रेडिंग और पैकिंग कार्यों का लिया जायजा

आधुनिक तकनीक से खेती का निरीक्षण, किसानों की समस्याएं दूर करने के निर्देश

ग्वालियर जीएनएस

कृषि उत्पादन आयुक्त एवं अपर मुख्य सचिव उद्यानिकी के.सी. गुप्ता ने शुक्रवार को ग्वालियर जिले का भ्रमण कर विभिन्न उद्यानिकी गतिविधियों का निरीक्षण किया। उन्होंने आधुनिक तकनीक से की जा रही खेती, फसल उत्पादन, प्रसंस्करण, ग्रेडिंग और पैकिंग कार्यों का जायजा लिया। उन्होंने अधिकारियों को किसानों की समस्याओं का तत्काल निराकरण करने और उन्हें विभागीय योजनाओं का लाभ दिलाने के निर्देश दिए।

गुप्ता ने प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्योग उन्नयन योजना के तहत धर्मेन्द्र राणा की 12 लाख रुपए की स्वीकृत तेल मिल इकाई का निरीक्षण किया। उन्होंने तेल उत्पादन, पैकिंग, वार्षिक उत्पादन और लाभ की जानकारी लेकर उत्पादन क्षमता एवं गुणवत्ता बढ़ाने के निर्देश दिए।

ड्रिप सिंचाई और मल्चिंग तकनीक का अवलोकन : ग्राम वरई में कृषक रजनीश पाण्डे के खेतों का निरीक्षण किया। यहां ड्रिप सिंचाई और मल्चिंग तकनीक से पांच-पांच बीघा क्षेत्र में गुलाब, मिर्च और टमाटर की खेती की जा रही है। उन्होंने प्याज एवं ग्लैडियोलस के उत्पादन का भी जायजा लिया। फसलों में दिखाई

दे रही बीमारियों के नियंत्रण के लिए उपयुक्त दवाओं का छिड़काव करने की सलाह दी और अधिकारियों को किसानों को योजनाओं का लाभ दिलाने के निर्देश दिए।

ग्राम दोरार में किसानों बाईसराम धाकड़, पंकज चौधरी और सिद्धार्थ बघेल के खेतों में मिर्च की फसल का निरीक्षण किया। इसके बाद ग्राम सहसारी में राधाकृष्ण धाकड़ और करन सिंह धाकड़ के खेतों में मिर्च, फूलगोभी, करेला, बैंगन सहित अन्य सब्जियों की फसलें देखीं। उन्होंने बाजार में बिक्री के लिए तैयार फसलों की ग्रेडिंग और पैकिंग प्रक्रिया का भी जायजा लिया। किसानों से खेती में आने वाली समस्याओं और फसलों में लगने वाले रोगों की जानकारी लेकर अधिकारियों को समय पर दवाएं उपलब्ध कराने तथा तकनीकी मार्गदर्शन देने के निर्देश दिए।

समस्याओं का तत्काल करें निराकरण : गुप्ता ने विभागीय अधिकारियों एवं कर्मचारियों को संबंधित किसानों के खेतों का अलग से भ्रमण कर समस्याओं को समझने और उनका तत्काल निराकरण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जिला स्तर पर हल होने वाली समस्याओं का तुरंत समाधान किया जाए। जिन मामलों में भोपाल स्तर से कार्रवाई आवश्यक है, उनकी जानकारी भी उपलब्ध कराई जाए, ताकि समय पर उचित निर्णय लिया जा सके।

निरीक्षण के दौरान संयुक्त संचालक उद्यान, ग्वालियर एवं चंबल संभाग अरुण कुमार गोयल, सहायक संचालक उद्यान एम.पी.एस. बुंदेला, राजकुमार मिथोरिया और घाटीगांव के प्रभारी वरिष्ठ उद्यान विकास अधिकारी दिनेश सिंह धाकड़ सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

बच्चियों को गाड़ी की छत पर बैठ कर घुमाने वाली गाड़ियों पर कार्रवाई

शिवपुरी, जीएनएस।
सोशल मीडिया पर वायरल हुए एक वीडियो जिसमें कुछ लोग कारों की छत पर बैठे हुए नजर आ रहे हैं। जो सरासर यातायात नियमों का उल्लंघन है। पुलिस अधीक्षक महोदय के निर्देश के बाद यातायात पुलिस एवं कोतवाली पुलिस द्वारा सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में वाहनों के नंबर को ट्रेस किया गया उसके बाद उन्हें आज थाना यातायात पर बुलाया गया जहां 6 कारों पर ?5000-5000 हजार रुपए का जुर्माना किया गया है कुल 6 वाहनों पर ?30000 जुर्माना किया गया है। संबंधित वाहन स्वामियों द्वारा अपने किए गए कृत्य पर माफी मांगी एवं भविष्य में ऐसी गलती नहीं दोहराने के लिए कहा। यातायात पुलिस द्वारा उन्हें भविष्य में यातायात नियमों के पालन करने के लिए निर्देश दिए।

पतंजलि घी का एक बैच असुरक्षित, MP में बाजार से वापस लेने के आदेश

मध्यप्रदेश में पतंजलि गाय के घी को झटका लगा है। खाद्य एवं औषधि प्रशासन ने जांच में फेल होने पर 200 रू वाले बैच FAWB260017 को असुरक्षित घोषित किया है। यह बैच अप्रैल 2026 में बना था। छिंदवाड़ा से लिए सैंपल की रिपोर्ट के बाद विभाग ने इस बैच की बिक्री और सप्लाई पर तत्काल रोक लगा दी है। बाजार में मौजूद स्टॉक पर बिक्री के लिए नहीं का टैग लगाने और उपभोक्ताओं को उपयोग न करने की सलाह दी गई है।

दिव्यांगता के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य किए जाने को लेकर वरिष्ठ समाजसेवी अनूप जौहरी को किया सम्मानित

ग्वालियर, जीएनएस।
सामाजिक न्याय एवं दिव्यांग शसक्तीकरण अधिकारिता केबिनेट मंत्री माननीय श्री नारायण सिंह कुशवाह जी के निर्देश पर सामाजिक न्याय विभाग, नगर निगम जनकल्याण विभाग ओर ग्वालियर दिव्यांग पुनर्वास केंद्र ओर एलिमको के सहयोग से महाराज बाड़ा गजराजा स्कूल के पास स्थित सिंधी धर्मशाला में आयोजित जन सेवा संकल्प के तहत दिव्यांग एवं वृद्ध जनों के लिए कृत्रिम अंग उपकरण चिन्हांकन शिविर के विशेष मोके पर माननीय मंत्री श्री नारायण सिंह कुशवाह जी ने अपने उद्बोधन में कहा कि आज दिव्यांग, वृद्ध, विधवा एवं परित्यागता ही नहीं उस हर पीड़ित मानवता के लिए समर्पित सरल स्वभाव मृदु भाषी कर्मठ जुझारू हर कठिन

परिस्थितियों में अपनी निःस्वार्थ सेवा भाव से हर असहाय के अधिकारों के लिए संघर्ष करने के लिए प्रतिबद्ध होने के साथ ही हर पीड़ित के लिए तत्पर रहकर समाज सेवा करने वाले जिन्होंने ग्वालियर ही नहीं पूरे म ॅ प्र ॅ में एक अपनी अलग ही पहचान बनाने बाले वरिष्ठ समाजसेवी ओर राष्ट्रीय शसक्त आत्मनिर्भर ट्रस्ट नई दिल्ली के राष्ट्रीय सलाहकार एवं आर टी आई ऐक्टिविस्ट अनूप जौहरी जी को सामाजिक न्याय एवं दिव्यांग शसक्तीकरण ओर उद्यमी केबिनेट मंत्री माननीय श्री नारायण सिंह कुशवाह जी ने आयोजित कार्यक्रम के मंच सह सम्मान विशेष आमंत्रित अतिथि बतोर जगह देते हुए श्री जौहरी के उत्कृष्ट कार्य की सराहना करते हुए मंच पर सभी आसीन अतिथियों ने स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया जौहरी ने अपने सम्मानित होने पर सभी का तहे दिल से आभार व्यक्त किया है। इस विशेष मौके पर कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान, वार्ड 50 के पार्षद श्री अनिल सांखला , श्याम सुन्दर श्रीवास्तव, समाजिक न्याय विभाग की ज्वाइंट डायरेक्टर श्रीमती शिवांगी अग्रवाल, समाजिक सुरक्षा समग्र अधिकारी श्रीमती पूर्वी अग्रवाल, एलिमको से स्वाती अग्रवाल , ब्रह्माकुमारी आश्रम से बी के ज्योती बहन , रमन शिक्षा समिति से हरी ओम गौतम , दिव्यांग पुनर्वास केंद्र के प्रशासनिक अधिकारी श्री गिरीश पाल , पुनर्वास केंद्र के लेख पाल श्री आशीष शर्मा आदि उपस्थित रहे।

भाजपा नेता राहुल शाक्य की पहल रंग लाई

आयुक्त को पत्र लिखने के बाद वार्ड 36 में भरे गड्ढे, मौके पर खड़े रहकर राहुल शाक्य ने कराया कार्य पूर्ण

ग्वालियर, जीएनएस।
भाजपा बुनकर प्रकोष्ठ के प्रदेश सह मीडिया प्रभारी श्री राहुल शाक्य के द्वारा वार्ड 36 की जर्जर और बदहाल सड़कों को लेकर नगर निगम आयुक्त को लिखे पत्र का तत्काल और सकारात्मक असर देखने को मिला है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार वार्ड क्रमांक 36 की सड़कों में लंबे समय से बड़े-बड़े गड्ढे बने हुए थे, जिससे आमजन को आवागमन में भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा था। नवरात्रि पर्व को देखते हुए स्थिति और भी गंभीर हो गई थी। श्री शाक्य ने अपने पत्र में विशेष रूप से उल्लेख किया था कि जर्जर सड़कों से नवरात्र में निकलने वाली माँ दुर्गा की प्रतिमा के खंडित होने का खतरा बना हुआ है, जिससे हजारों श्रद्धालुओं की आस्था को ठेस पहुँच सकती है।

श्री शाक्य के पत्र पर नगर निगम आयुक्त द्वारा त्वरित संज्ञान लेते हुए संबंधित विभाग को तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए गए। निर्देश के बाद आज वार्ड क्रमांक 36 के सभी मुख्य स्थानों पर गड्ढे भरने का कार्य युद्ध स्तर पर पूर्ण किया गया।

इस दौरान भाजपा नेता राहुल शाक्य स्वयं मौके पर मौजूद रहे और अपनी निगरानी में कार्य को गुणवत्ता के साथ पूर्ण कराया, ताकि नवरात्र में माता के भक्तों को किसी प्रकार की असुविधा न हो और पर्व श्रद्धा व सुरक्षा के साथ मनाया जा सके। स्थानीय रहवासियों ने भी इस कार्य की सराहना की है।

इस जनहितैषी, त्वरित और सराहनीय कार्रवाई के लिए श्री राहुल शाक्य ने नगर निगम आयुक्त जी का हृदय से आभार व्यक्त किया है।

'तुम मेरे हो' के लिए संजू राठौड़ और ईशा मालवीय की जोड़ी फिर लौटी मराठी गाने 'नखरे' के साथ

संजू राठौड़ अपने खास मराठी म्यूजिक स्टाइल और कैची हुकस्टेप के साथ लाए गुरमीत चौधरी और ईशा मालवीय का नया गाना

जयसिंह रघुवंशी

हिटमेकर संजू राठौड़ एक बार फिर अपने नए गाने 'नखरे' के साथ लौट आए हैं। यह एक जोशीला मराठी ट्रैक है, जिसमें उनका खास सिंगिंग स्टाइल, दमदार बीट्स और कैची हुकस्टेप सुनने और देखने को मिलता है। गुरमीत चौधरी और ईशा मालवीय पर फिल्माए गए इस गाने में मस्ती और एनर्जी का शानदार मेल है, जो दर्शकों को थिरकने पर मजबूर कर देता है।

इस गाने के साथ संजू राठौड़ और ईशा मालवीय की जोड़ी एक बार फिर साथ आई है। दोनों इससे पहले भी मराठी ट्रैक के लिए साथ काम कर चुके हैं। संजू की आवाज और गाने की शानदार बीट्स 'नखरे' को एक अलग पहचान देती हैं, वहीं इसका मजेदार हुकस्टेप गाने को और भी खास बनाता है। गुरमीत चौधरी

और ईशा मालवीय ने अपनी शानदार परफॉर्मेंस से इस गाने में जान डाल दी है। दोनों की केमिस्ट्री और मजेदार हुकस्टेप गाने की एनर्जी को और बढ़ाते हैं।

'नखरे', फिल्म 'तुम मेरे हो' का हिस्सा है और इसके म्यूजिक में मराठी रंग लेकर आता है। यह गाना अब स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म्स पर उपलब्ध है।

गाने के बारे में बात करते हुए संजू राठौड़ ने कहा, ÷नखरे का हिस्सा बनना मेरे लिए बहुत मजेदार अनुभव रहा। इस गाने में अपने मराठी म्यूजिक स्टाइल को लाना और इतनी एनर्जी से भरे ट्रैक पर काम करना मुझे बहुत अच्छा लगा। इसका हुकस्टेप इसे और भी मजेदार बनाता है। मैं इस बात से खुश हूं कि गाना इतना अच्छा बना है। उम्मीद है कि लोगों को यह पसंद आएगा।

गुरमीत चौधरी ने कहा, ÷नखरे की एनर्जी काफी अलग है और इसकी शूटिंग करने में बहुत मजा आया। संजू ने अपने मराठी स्टाइल से इस गाने को एक नया अंदाज दिया है। ईशा और मैंने इसकी शूटिंग के दौरान खूब एंजॉय किया, खासकर हुकस्टेप को। मैं दर्शकों के सामने यह गाना आने को लेकर काफी उत्साहित हूं। ईशा मालवीय ने कहा, ÷नखरे का अंदाज बहुत मजेदार और यंग है। इस गाने के लिए संजू के साथ दोबारा काम करना मेरे लिए खास रहा और मुझे इसका मराठी म्यूजिक बहुत पसंद आया। गुरमीत और मैंने इसकी शूटिंग के दौरान खूब मस्ती की, खासकर हुकस्टेप करते हुए। मैं बहुत खुश हूं कि यह गाना आखिरकार रिलीज हो गया है और अब लोग इसे एंजॉय कर सकते हैं।

'नखरे' को संजू राठौड़ ने गाया है और इसमें गुरमीत चौधरी और ईशा मालवीय नजर आ रहे हैं। यह गाना अब स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म्स पर उपलब्ध है, जबकि फिल्म 'तुम मेरे हो' 23 अक्टूबर को सिनेमाघरों मे रिलीज होगी।

लोकतंत्र संविधान और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता की रक्षा के लिए पार्टी का संघर्ष निरंतर जारी रहेगा

दतिया, जीएनएस।
राहुल गांधी,प्रियंका गांधी सहित साथी सांसदों के साथ किया गया कथित दुर्व्यवहार और लाठीचार्ज की घटना के विरोध में गुरुवार को जिला कांग्रेस कमेटी द्वारा जिला कांग्रेस अध्यक्ष अशोक दांगी बगदा के नेतृत्व में कड़ा विरोध प्रदर्शन किया घटना के विरोध में कांग्रेस ने काला दिवस मनाते हुए किला चौक पर मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार का पुतला फूंका और लोकतंत्र तथा संविधान की रक्षा के लिए आवाज बुलंद की प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस नेताओं एवं कार्यकर्ताओं ने काली पट्टी हाथों में बांधकर नारेबाजी कर अपना आक्रोश व्यक्त किया कांग्रेस नेताओं ने कहा कि राहुल गांधी प्रियंका गांधी सहित साथी सांसदों के साथ किया गया कथित दुर्व्यवहार लोकतांत्रिक मूल्यों और जनप्रतिनिधियों के सम्मान से जुड़ा गंभीर सवाल है दतिया विधायक घनश्याम सिंह ने कहा लोकतंत्र में जनता की आवाज उठाना कोई अपराध नहीं है राहुल गांधी,प्रियंका गांधी और साथी सांसदों के साथ जिस तरह का व्यवहार किया गया वह बेहद चिंताजनक है लोकतंत्र में लाठी और दमन की नहीं बल्कि संवाद और संवैधानिक मर्यादाओं की जगह होनी चाहिए कांग्रेस लोकतंत्र और संविधान की रक्षा के लिए अपनी लड़ाई सड़क से सदन तक जारी रखेगी जिला कांग्रेस अध्यक्ष अशोक

दांगी बगदा ने कहा लोकतंत्र की असली ताकत जनता की आवाज और संविधान में निहित अधिकार हैं यदि जनप्रतिनिधियों के साथ ही दुर्व्यवहार किया जाएगा और विरोध की आवाज को दबाने का प्रयास होगा तो यह लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए गंभीर चिंता का विषय है कांग्रेस का प्रत्येक कार्यकर्ता संविधान और लोकतांत्रिक अधिकारों की रक्षा के लिए पूरी मजबूती से खड़ा है कांग्रेस नेताओं ने स्पष्ट किया कि लोकतंत्र संविधान और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता की रक्षा के लिए पार्टी का संघर्ष निरंतर जारी रहेगा प्रदर्शन के दौरान दतिया विधायक घनश्याम सिंह, जिला कांग्रेस अध्यक्ष अशोक दांगी बगदा,पूर्व विधायक राधे लाल बघेल,प्रदेश महासचिव अवधेश नायक,जिला कांग्रेस संगठन महासचिव नरेन्द्र गुर्जर,वरिष्ठ कांग्रेस नेता संतोष लिटोरिया,पार्षद मुन्ना खा,आनंद शर्मा,अजय शुक्ला,मोहम्मद अरशद रज्जन भाई,वासुदेव कमरिया,रामकुमार मोंगिया,आशीष तिवारी,पुष्पराज राजपूत,रामू गुर्जर ,के पी यादव,रामदास उत्साही,गोलू कुशवाहा,अमन सिंह यादव,अंकित पटेल,रामप्रकाश शर्मा,अमरीश वाल्मीक,अतुल यादव,,देव गौतम,जाकिर मंसूरी,प्रमोद कुशवाहा,रिकू यादव,डॉ राकेश खरे,विक्रम दांगी,नौमी कमरिया,काले खां,अमित श्रीवास्तव,दिनेश खगट,शाहिद खान, धर्मेंद्र परमार, पवन वेडर मीडिया प्रभारी वीरू दांगी मनीष दांगी,उमर फारूक,सुदामा जाटव,अजय पटवा,अनूप तिवारी,पंकज यादव,अशोक श्रीवास्तव,दीपक,कुशवाह,अजय प्रजाति,संजीव श्रीवास्तव,राघवेन्द्र बुंदेला,रवि विधुआ,सद्दाम खान,राजा भैया,अशरफ खान,राकेश माझी,मोहन सरूप श्रीवास्तव,मुमताज़ खान,आदि जिला कांग्रेस कमेटी के पदाधिकारी,कार्यकर्ता एवं कांग्रेसजन उपस्थित रहे।

वार्ड 55 में स्वच्छता एवं मूलभूत व्यवस्थाओं का निरीक्षण

ग्वालियर, जीएनएस।
नगर निगम अध्यक्ष श्री मनोज तोमर एवं अपर आयुक्त श्री टी. प्रतीक राव ने गुरुवार को वार्ड 55 सहित विभिन्न क्षेत्रों का निरीक्षण कर स्वच्छता, जल निकासी, सड़क एवं अन्य मूलभूत व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों को व्यवस्थाओं में सुधार तथा लापरवाही बरतने वाले कर्मचारियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए गए।

निरीक्षण के दौरान नगर निगम अध्यक्ष श्री मनोज तोमर ने आमखो स्थित स्मार्ट सिटी रोड पर जलभराव की समस्या से अपर आयुक्त श्री टी. प्रतीक राव को अवगत कराया। उन्होंने जलभराव की समस्या का स्थायी निराकरण करते हुए जल निकासी की समुचित व्यवस्था कराने के निर्देश दिए। साथ ही सड़क किनारे ऊंचे चौम्बर का लेवल मिलान कराने, डिवाइडर पर पौधे लगाने तथा एसडीएम बंगले के सामने क्षतिग्रस्त सड़क की मरम्मत कराने के निर्देश दिए।

कस्तूरबा चौराहे से गुडा रोड की ओर निरीक्षण के दौरान सड़क पर आवश्यक पैचवर्क कराने के निर्देश दिए गए। इस दौरान सड़क के बीच में टूटे हुए प्लास्टिक डिवाइडर पाए जाने पर उन्हें तत्काल हटाने के लिए कहा गया। सड़क किनारे कचरा एवं मिट्टी के ढेर मिलने पर संबंधित अमले को तत्काल सफाई कराने तथा भविष्य

में इस प्रकार की स्थिति न बनने देने के लिए सख्त निर्देश दिए गए।

निरीक्षण के दौरान वार्ड 46 की डोर-टू-डोर कचरा संग्रहण वाहन को कचरा ढेरी में खाली करते हुए पाए जाने पर नगर निगम अध्यक्ष श्री मनोज तोमर ने नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने संबंधित वाहन चालक, हेल्पर एवं ठेला कर्मचारी का तीन दिवस का वेतन काटने के निर्देश दिए। साथ ही संबंधित दरोगा को भी सख्त निर्देश देते हुए एक सप्ताह का वेतन काटने तथा संबंधित एएचओ के विरुद्ध भी एक सप्ताह की वेतन कटौती की कार्रवाई के निर्देश दिए गए। इसी प्रकार वार्ड 37 स्थित जीवाजीगंज नाले के निरीक्षण के दौरान गंदगी पाए जाने पर संबंधित अधिकारियों को सफाई व्यवस्था तत्काल दुरुस्त करने के निर्देश दिए गए। हाजिरी रजिस्टर में 35 कर्मचारियों की उपस्थिति दर्ज होने के बावजूद संबंधित जोनल स्वास्थ्य अधिकारी द्वारा कर्मचारियों की स्थिति के संबंध में संतोषजनक जानकारी उपलब्ध नहीं कराने पर आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए गए तथा संबंधित कर्मचारियों को मूल पद पर भेजने के निर्देश दिए गए। लक्ष्मीगंज मंडी क्षेत्र में भी सफाई व्यवस्था का निरीक्षण किया गया। सफाई कार्य में लापरवाही पाए जाने पर संबंधित वार्ड स्वास्थ्य अधिकारी को मूल पद पर भेजने के निर्देश दिए गए। वहीं चाय के ठेले के पास चाय के गिलास एवं गंदगी पाए जाने पर मौके पर ही 250 रुपये का जुर्माना लगाया गया। नगर निगम अध्यक्ष श्री मनोज तोमर ने अधिकारियों एवं कर्मचारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि शहर की स्वच्छता एवं मूलभूत व्यवस्थाओं में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा कि नियमित निरीक्षण के माध्यम से व्यवस्थाओं की निगरानी की जाएगी तथा कार्य में लापरवाही पाए जाने पर संबंधित के विरुद्ध नियमानुसार सख्त कार्रवाई की जाएगी।

शिवपुरी जिले में 33 हजार 772 मीट्रिक टन खाद उपलब्ध

शिवपुरी, जीएनएस।
शिवपुरी जिले में किसानों की सुविधा एवं कृषि कार्यों हेतु रासायनिक उर्वरकों (खाद) की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित की जा रही है। किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग के उपसंचालक ने बताया कि 08 अक्टूबर 2026 की स्थिति में जिले में वर्तमान में कुल 33 हजार 772 मीट्रिक टन खाद का पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध है।

उप संचालक, किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग ने बताया कि जिले में रबी सीजन (01 अक्टूबर 2026 से अब तक) कुल 4 हजार 891 मीट्रिक टन खाद का वितरण किया जा चुका है। इसमें 2833 मीट्रिक टन यूरिया, 1133 मीट्रिक टन डीएपी/टीएसपी, 575 मीट्रिक टन एनपीके, 313 मीट्रिक टन एसएसपी तथा 37 मीट्रिक टन एमओपी शामिल है।

जिले के डबल लॉक गोदामों, सहकारी समितियों एवं निजी विक्रेताओं के पास वर्तमान में उपलब्ध उर्वरकों में यूरिया उर्वरक डबल लॉक गोदामों में 2066 मी.टन, सहकारी समितियों में 1121 मी.टन तथा निजी विक्रेताओं के पास 4545 मी.टन कुल 7732 मी.टन उपलब्ध है। डीएपी / टीएसपी उर्वरक डबल लॉक गोदामों में 1011 मी.टन, सहकारी समितियों में 429 मी.टन तथा निजी विक्रेताओं के पास 1939 मी.टन, कुल 3379 मी.टन उपलब्ध है। एनपीके उर्वरक डबल लॉक गोदामों में 3032 मी.टन, सहकारी समितियों में 449 मी.टन तथा निजी विक्रेताओं के पास 3449 मी.टन, कुल 6930 मी.टन उपलब्ध है। एसएसपी उर्वरक डबल लॉक गोदामों में 1250 मी.टन, सहकारी समितियों में 97 मी.टन तथा निजी विक्रेताओं के पास 13951 मी.टन, कुल 15298 मी.टन उपलब्ध है। एमओपी उर्वरक डबल लॉक गोदामों में 100 मी.टन तथा निजी विक्रेताओं के पास 334 मी.टन, कुल 434 मी.टन उपलब्ध है। इस प्रकार जिले के डबल लॉक गोदामों में 7458 मीट्रिक टन, प्राथमिक कृषि साख सहकारी समितियों में 2096 मीट्रिक टन एवं निजी विक्रेताओं के पास 24218 मीट्रिक टन उर्वरक की उपलब्धता है, जिससे किसानों को आवश्यकतानुसार खाद प्राप्त करने में आसानी होगी।

रबी फसलों के लिए डीएपी के स्थान पर एनपीके मिश्रित उर्वरक के उपयोग की सलाह

कृषि विभाग द्वारा किसानों को सलाह दी गई है कि रबी फसलों की बोनी के दौरान पोषक तत्व प्रबंधन का विशेष ध्यान रखें। डीएपी उर्वरक के स्थान पर वैकल्पिक उर्वरक के रूप में एनपीके (जैसे ग्रेड 12-32-16, 16-16-16, 20-20-0-13, 10-26-26, 14-35-14 आदि) का उपयोग करें।

इस सप्ताह खत्म होंगे 60 ब्लैक स्पॉट गुरुवार तक खत्म हुए 23 ब्लैक स्पॉट

ग्वालियर, जीएनएस।
शहर की खूबसूरती में दाग लगाने वाले शहर के 339 ब्लैक स्पॉट खत्म करने में नगर निगम का सफाई अमला जुटा हुआ है। नगर निगम का अमला ब्लैक स्पॉट को खत्म करने के लिए साप्ताहिक टारगेट लेकर कार्य कर रहा है। इस सप्ताह नगर निगम ने 60 कचरा ठीयों को खत्म करने का टारगेट रखा है। जिसमें से अभी तक 23 ब्लैक स्पॉट समाप्त किए जा चुके हैं। इन कचरा ठीयों को खत्म करने के साथ ही नगर निगम पूरा प्रयास कर रहा है यह ब्लैक स्पॉट फिर से प्रारंभ ना हो पाएं, इसके लिए आम जनों को समझाया जा रहा है कि वह कचरा टिपर वाहन में ही डालें।

नगर निगम आयुक्त श्री अभिषेक चौधरी के निर्देश पर अपर आयुक्त श्री टी प्रतीक राव के निर्देशन में मुख्य स्वास्थ्य अधिकारी डॉ वैभव श्रीवास्तव द्वारा कचरा ठीयों को खत्म करने के लिए टीमों को गठित किया है। प्रत्येक टीम को कचरा ठीयों को समाप्त करने के लिए लक्ष्य निर्धारित किए जाते हैं। गुरुवार को नगर निगम की टीम ने 5 कचरा ठीयों को खत्म किया है। खत्म किए गए पांच कचरा ठीयों में शिंदे की छावनी, हरिहर नगर, एयरपोर्ट रोड, कुषवाह मार्केट रोड, सरला फार्म रोड शामिल हैं। इस सप्ताह टारगेट किए गए कचरा ठीयों में ग्वालियर विधानसभा के 22, ग्वालियर पूर्व विधानसभा के 25, ग्वालियर दक्षिण विधानसभा के 10 , ग्वालियर ग्रामीण विधानसभा के 3 कचरा ठीये शामिल हैं। इनमें से गुरुवार तक ग्वालियर विधानसभा में 6, ग्वालियर पूर्व विधानसभा में 14, ग्वालियर दक्षिण विधानसभा में 1 ग्वालियर ग्रामीण विधानसभा में 2 कचरा ठीये समाप्त किए गए हैं।

सुगम यातायात के लिए सड़कों पर कराई पेंच रिपेयरिंग

ग्वालियर दिनांक 08 अक्टूबर 2026- नगर निगम ग्वालियर द्वारा नागरिकों की सुविधा एवं सुगम यातायात के लिए सड़कों पर पेंच रिपेयरिंग का कार्य निरंतर तेजी के साथ किया जा रहा हैं। नोडल अधिकारी पेंच रिपेयरिंग श्री अमित गुप्ता ने बताया कि नगर निगम आयुक्त श्री अभिषेक चौधरी के निर्देशानुसार निगम के अमले द्वारा निरंतर सुगम यातायात एवं आम नागरिकों की सुविधा के लिए विभिन्न सड़कों पर पेच रिपेयरिंग का काम किया जा रहा है। जिसके तहत आज स्टेट बैंक चौराहा तानसेन नगर अंदर वाली रोड पर, मल्लगढा थाने के पास नया गैस गोदाम, गंगा माई मंदिर, मोन टेरेसा स्कूल के पास, नदीपार टाल मछली मंडी मुरार, कुबेर आश्रम इंदिरा नगर, क्षेत्रीय कार्यालय 11 के सामने थाटीपुर, रामद्वारा गेट तक लक्ष्मीगंज, बाबू दांगी की गोठ और पान पत्ते की गोठ।

यातायात को अवरूद्ध कर रहे हाथ ठेले वालों को हटाया

ग्वालियर, जीएनएस।
शहर में यातायात व्यवस्था को सुगम बनाने और अवैध अतिक्रमण से मुक्ति दिलाने के लिए नगर निगम, जिला प्रशासन और पुलिस विभाग द्वारा संयुक्त रूप से शहर के विभिन्न क्षेत्रों में व्यापक कार्रवाई की गई। इस दौरान सड़कों से अवैध दुकानों, हाथ-ठेलों और अस्थाई अतिक्रमणों को हटवाया गया।

मदाखलत के नोडल अधिकारी श्री केषव सिंह चौहान ने बताया कि नगर निगम आयुक्त श्री अभिषेक चौधरी के निर्देषानुसार मदाखलत अमले ने ग्वालियर विधानसभा अंतर्गत हजीरा चौराहा, किलागेट रोड, चार शहर का नाका, इंटक मैदान रोड सहित विभिन्न स्थानों पर खड़े यातायात में बाधक हाथ ठेले, फुटपाथी दुकानों एवं अन्य अस्थायी अतिक्रमण को हटवाने की कार्यवाही की गई एवं आवागमन मार्ग क्लीयर कराया गया। इसके साथ ही वार्ड 7 सती बिहार कालोनी में भवन में चल रहे अवैध निर्माण को बन्द कराया और सामान जब्त किया गया।

इसके साथ ही पूर्व विधानसभा अंतर्गत अचलेश्वर चौराहे के पास संगीत विद्यालय के गेट के सामने से हाथ ठेले वालों को हटवाया गया एवं वार्ड 57 में नदी गेट चौराहा से इंदरगंज और फूलबाग चौपाटी पर यातायात को अवरूद्ध कर रहे हाथ ठेले जब्त कर मदाखलत कार्यालय भिजवाया गया। साथ ही दक्षिण विधानसभा अंतर्गत राम मंदिर चौराहे से हाथ ठेलों को हटवाया गया और दुकानदारों के बाहर रखे सामान एवं स्टैंड बोर्ड को अंदर करवाया गया तथा रास्ता क्लीयर करया गया। साथ ही ग्रामीण विधानसभा अंतर्गत ट्रांसपोर्ट नगर पार्किंग नंबर 6 में गुमटी एवं रोड पर रखे टायरों को हटवाने की कार्यवाही की गई तथा द्वारा न रखने की हिदायत दी गई। साथ ही कंट्रोल रूम पर प्राप्त शिकायतों के आधार पर शहर भर से लम्पी ग्रस्त गौवंश को उठाकर उपचार हेतु आइसोलेशन सेन्टर रतवाई गौशाला छोडा गया एवं घायल बीमार गौवषं को उपचार हेतु लाल टिपारा गौशाला छोडा गया।

भिण्ड-गोरमी के समाचार विज्ञापन के लिए सम्पर्क करें
महेश चौधरी
98267-36233

निष्पक्षता-विश्वसनीयता एवं जनहित का संवाहक
श्रमसाधना

संपादकीय

अपने किए की जिम्मेदारी स्वीकारना भी धर्म का रूप है

'धर्म' शब्द की व्युत्पत्ति 'धृ' धातु से हुई है, जिसका अर्थ है- धारण करना और संभालकर रखना। आम तौर पर धर्म का अनुवाद कर्तव्य, सदाचार, नैतिकता, कानून या उस नैतिक-व्यवस्था के रूप में किया जाता है, जो समाज को संभाले रखती है। लेकिन इनमें से कोई भी शब्द धर्म के व्यापक अर्थ को व्यक्त नहीं करता। हिंदू-दृष्टि में धर्म अस्तित्व की नैतिक जटिलताओं के बीच रास्ता खोजने का तरीका है।

धर्म आचरण के लिए एक स्पष्ट नैतिक ढांचा अवश्य प्रदान करता है, लेकिन यह बाइबिल के 'टेन कमांडमेंट्स' की तरह कोई कठोर नियमावली नहीं है। मानवीय विवेक और व्यवहार ने धर्म को परिस्थितियों के अनुरूप कई कारकों से प्रभावित होने की गुंजाइश दी है।

इनमें देश-धर्म यानी अलग-अलग क्षेत्रों में प्रचलित आचरण, आश्रम-धर्म यानी जीवन की अवस्था के अनुसार कर्तव्य, कुल-धर्म यानी परिवार के प्रति दायित्व, जाति-धर्म यानी जातिगत निष्ठा, स्वभाव-धर्म यानी व्यक्ति की प्रकृति, स्वधर्म यानी अंतरात्मा के विवेक से किया गया चुनाव और आपद्धर्म यानी संकट के समय अपनाया जाने वाला आचरण शामिल हैं।

धर्म हमसे कहता है कि किसी पर फैसला सुनाने से पहले संदर्भ, मंशा, परिस्थितियों और परिणामों को परखो। लेकिन यही परिष्कृत-जटिलता लोगों को अपने दोषों को सही ठहराने के लिए धर्म का इस्तेमाल करने की गुंजाइश भी देती है। कोई गलत काम करने पर शक्तिशाली लोगों की जानी-पहचानी प्रतिक्रिया याद कीजिए। वे कहते हैं- परिस्थितियों ने मुझे विवश कर दिया, राजनीतिक दबाव था, सुरक्षा से जुड़े सवाल थे, यह फैसला व्यापक जनहित में लिया गया था, जिम्मेदार कोई और था, मंशा गलत नहीं थी, आदि-आदि। इस तरह तो हर गलत काम के लिए एक बहाना बनाया जा सकता है। अगर हर उल्लंघन के साथ कोई-न-कोई स्पष्टीकरण दिया जाता रहे, तो धीरे-धीरे स्पष्टीकरण ही दोषमुक्ति का आधार बन सकता है। हिंदू महाकाव्य ऐसी परिस्थितियों से भरे पड़े हैं, जहां देखने में धर्मसम्मत रास्ता किसी दूसरी नैतिक जिम्मेदारी से टकराता है।

सत्य और करुणा आमने-सामने आ सकते हैं; निष्ठा और न्याय में टकराव हो सकता है; परिवार के प्रति कर्तव्य और समाज के प्रति दायित्व एक-दूसरे के विरोध में खड़े हो सकते हैं; और व्यक्तिगत सदाचार का टकराव किसी सामूहिक उद्देश्य से हो सकता है। खासकर महाभारत तो नैतिकता की नियम-पुस्तिका कम और नैतिक दुविधाओं की विशाल प्रयोगशाला अधिक है। इसीलिए हिंदू मानस दुनिया को संतों और पापियों के दो खानों में बांटने से हिचकता है। दुर्योधन निस्संदेह गंभीर अधर्म के लिए जिम्मेदार है, फिर भी महाकाव्य में उसकी मृत्यु के समय स्वर्ग से उस पर फूल बरसते हैं। रावण ऐसे कृत्य करता है, जिनका नैतिक रूप से बचाव नहीं किया जा सकता, फिर भी रामायण उसे एक विद्वान और महान शिवभक्त के रूप में भी याद करती है। आप कह सकते हैं कि यह सिद्धांत कि किसी एक निर्दोष व्यक्ति को सजा मिलने की तुलना में कई दोषियों का बच निकलना बेहतर है, मानवीय है। लेकिन अगर व्यवस्था इतनी जटिल हो जाए कि किसी के दोष को साबित करना लगभग असंभव हो तो कोई नेक इरादा भी बुरे नतीजे दे सकता है।

प्रान्तीय कार्यालय : 76 शबरी कॉम्पलेक्स, एम.पी. नगर जोन-2 भोपाल, फोन : 0755-2579530
प्रान्तीय ब्यूरो प्रमुख : एल.एन. तवर, 9827781209
प्रान्तीय ब्यूरो : डॉ. जानकी अहिरवार 9406580345
Email:shramsadhnagwl@gmail.com

चुनावी शोर से अलग जमीनी राजनीति की दस्तक - 2027 में पवन सिंह चौहान की भूमिका कितनी महत्वपूर्ण?

डॉ अजय कुमार मिश्रा

उत्तर प्रदेश विधानसभा की 403 सीटों के लिए फरवरी-मार्च 2027 में चुनाव अपेक्षित हैं। चुनाव जैसे-जैसे नजदीक आ रहा है, प्रदेश का राजनीतिक माहौल भी तेजी से सक्रिय होता दिखाई दे रहा है। सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों ही अपनी-अपनी रणनीतियों को धार देने में जुटे हैं। राजनीतिक दलों द्वारा प्रचार के पारंपरिक माध्यमों के साथ-साथ आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) आधारित वीडियो और डिजिटल माध्यमों का भी तेजी से इस्तेमाल किया जा रहा है।

प्रदेश की प्रमुख राजनीतिक पार्टियां सत्ता में बने रहने अथवा सत्ता में वापसी के लिए अपनी पूरी ताकत झोंकने की तैयारी में हैं। दूसरी ओर, जनता और विभिन्न सामाजिक संगठनों के वे मुद्दे भी अब तेजी से सामने आने लगे हैं, जिन पर लंबे समय से निर्णय की अपेक्षा की जा रही थी, लेकिन अपेक्षित समाधान नहीं हो सका। ऐसे में आगामी विधानसभा चुनाव केवल राजनीतिक दलों के लिए ही नहीं, बल्कि जनप्रतिनिधियों की कार्यशैली और जनता से उनके जुड़ाव के आकलन की कसौटी भी बनेंगे।

यदि आगामी विधानसभा चुनाव का जमीनी मूल्यांकन किया जाए तो कुछ ऐसे जनप्रतिनिधि और सामाजिक व्यक्तित्व सामने आते हैं, जिनकी जनता के बीच सक्रियता और स्वीकार्यता चुनावी समीकरणों पर प्रभाव डाल सकती है। ऐसे लोगों की पहचान केवल चुनाव के समय होने वाले प्रचार से नहीं, बल्कि वर्ष के 365 दिनों में जनता के बीच उनकी उपस्थिति और उनके कार्यों से होती है।

इन्हीं व्यक्तित्वों में एक प्रमुख नाम श्री पवन सिंह चौहान का है। समाजसेवी, व्यवसायी और जनप्रतिनिधि के रूप में उन्होंने अपनी अलग पहचान बनाई है। उन्हें राजनीति विरासत में नहीं मिली, बल्कि अपनी मेहनत, निरंतर सक्रियता और

जनसरोकारों से उन्होंने अपना राजनीतिक एवं सामाजिक स्थान बनाया है। भारतीय जनता पार्टी से सीतापुर से उत्तर प्रदेश विधान परिषद सदस्य (एमएलसी) श्री पवन सिंह चौहान वर्तमान में लोक लेखा समिति, उत्तर प्रदेश के सदस्य भी हैं। इसके साथ ही वे एस.आर. ग्रुप, लखनऊ के चेयरमैन हैं।

सहज उपलब्धता और समस्या समाधान की कार्यशैली

श्री पवन सिंह चौहान की राजनीतिक कार्यशैली का सबसे उल्लेखनीय पक्ष उनकी सहज उपलब्धता बताई जाती है। सरल और सौम्य व्यवहार के साथ लोगों की समस्याओं को धैर्यपूर्वक सुनना तथा उनके समाधान के लिए संबंधित अधिकारियों से संवाद करना उनकी कार्यशैली का महत्वपूर्ण हिस्सा है।

राजनीतिक जीवन में आम नागरिक के लिए अपने जनप्रतिनिधि तक पहुंच बनाना अक्सर चुनौतीपूर्ण माना जाता है। कई बार शिकायत या प्रार्थना-पत्र संबंधित व्यक्ति तक तो पहुंच जाता है, लेकिन उसके बाद कार्रवाई की वास्तविक स्थिति स्पष्ट नहीं हो पाती। ऐसे माहौल में यदि कोई जनप्रतिनिधि लोगों की समस्याओं को व्यक्तिगत स्तर पर सुनने और उनके समाधान के लिए निरंतर प्रयास करता दिखाई दे, तो स्वाभाविक रूप से उसके प्रति जनता का विश्वास मजबूत होता है।

श्री पवन सिंह चौहान के संबंध में उनके समर्थकों और उनसे मिलने वाले लोगों का कहना है कि फरियादियों की संख्या चाहे कितनी भी हो, वे लोगों की बात सुनने का प्रयास करते हैं और आवश्यकता पड़ने पर संबंधित अधिकारियों से स्वयं बात करते हैं अथवा पत्राचार के माध्यम से मामले को आगे बढ़ाते हैं। यही व्यवहार उनके प्रति लोगों के व्यक्तिगत जुड़ाव का आधार बनता दिखाई देता है।

शिक्षा के क्षेत्र में योगदान

श्री पवन सिंह चौहान की गतिविधियां केवल राजनीति और जनसमस्याओं तक सीमित नहीं हैं। शिक्षा के क्षेत्र में भी एस.आर. ग्रुप के माध्यम से उनका महत्वपूर्ण योगदान बताया जाता है। उनका जोर ऐसी शिक्षा व्यवस्था पर रहा है, जिसमें आधुनिक तकनीक और कौशल आधारित शिक्षा के साथ अधिक से अधिक विद्यार्थियों को बेहतर अवसर उपलब्ध हो सकें।

आज जब शिक्षा के क्षेत्र में बढ़ते व्यावसायीकरण को लेकर लगातार बहस होती रहती है, ऐसे समय में शिक्षा को अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाने और विभिन्न वर्गों के विद्यार्थियों को अवसर उपलब्ध कराने का प्रयास सामाजिक दृष्टि से महत्वपूर्ण माना जा सकता है। दशकों से शिक्षा के माध्यम से जरूरतमंद परिवारों के बच्चों को आगे बढ़ने के अवसर उपलब्ध कराने की उनकी पहल ने उन्हें शिक्षा क्षेत्र से जुड़े लोगों के बीच भी पहचान दिलाई है।

रोजगार और सामाजिक सरोकार : रोजगार आज उत्तर प्रदेश ही नहीं, बल्कि पूरे देश के सामने एक बड़ी चुनौती है। सरकारी और निजी दोनों क्षेत्रों में रोजगार के पर्याप्त अवसर उपलब्ध कराना लगातार चर्चा का विषय रहा है। ऐसे में निजी क्षेत्र के संस्थानों के माध्यम से रोजगार के अवसरों का सृजन भी सामाजिक योगदान का महत्वपूर्ण माध्यम बन सकता है। श्री पवन सिंह चौहान से अनेक लोगों को रोजगार के अवसर मिलने की बात सामने आती रही है। समर्थकों का मानना है कि रोजगार की तलाश में उनके पास पहुंचने वाले योग्य लोगों को उनकी क्षमता के अनुरूप अवसर उपलब्ध कराने का प्रयास किया जाता है। यदि यह प्रक्रिया निरंतर जारी रहती है तो इसका सीधा प्रभाव संबंधित परिवारों की आर्थिक स्थिति पर पड़ता है।

सामाजिक समरसता और पर्यावरण के प्रति सक्रियता

श्री पवन सिंह चौहान की सार्वजनिक गतिविधियों में सामाजिक एकता, अखंडता और नैतिक मूल्यों से जुड़े विषय भी प्रमुखता से दिखाई देते हैं। नदियों और पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में भी उनके प्रयासों का उल्लेख किया जाता है। सामाजिक और धार्मिक कार्यक्रमों में सहभागिता उनकी सार्वजनिक गतिविधियों का एक अन्य पक्ष है। समर्थकों के अनुसार, व्यस्त कार्यक्रम के बावजूद सामाजिक आयोजनों में सहभागिता को वे प्राथमिकता देते हैं। यही वजह है कि विभिन्न सामाजिक वर्गों के बीच उनका संपर्क लगातार बना हुआ है। उनकी कार्यशैली का एक महत्वपूर्ण पक्ष यह भी माना जाता है कि वे जाति, धर्म, समुदाय अथवा आर्थिक स्थिति के आधार पर लोगों के बीच भेदभाव किए बिना सभी को समान सम्मान देने की बात करते हैं।

भारत में ब्याज दरों में बढ़ौतरी का चक्र प्रारम्भ

भारतीय रिजर्व बैंक ने दिनांक 7 अक्टोबर 2026 को घोषित अपनी मौद्रिक नीति (मोनेटरी पॉलिसी) के माध्यम से रेपो दर में 25 आधार बिंदुओं की वृद्धि करते हुए इसे 5.25 प्रतिशत से बढ़ाकर 5.50 प्रतिशत कर दिया है। भारत में, फरवरी 2023 के पश्चात, प्रथम बार रेपो दर में वृद्धि की घोषणा की गई है। अब संभवतः समस्त बैंक अपने ऋणों पर ब्याज दरों में बढ़ौतरी की घोषणा करेंगे। दरअसल, भारत ही नहीं बल्कि विश्व के अन्य देशों में भी मुद्रा स्फीति की दर में वृद्धि देखी जा रही है और मुद्रा स्फीति को नियंत्रित करने के उद्देश्य से जापान, अमेरिका, ब्रिटेन, कनाडा आदि देश पहिले से ही ब्याज दरों में वृद्धि की घोषणा कर चुके हैं। भारतीय रिजर्व बैंक के पास भी मुद्रा स्फीति को नियंत्रित करने के उद्देश्य से रेपो दर में वृद्धि करने के अतिरिक्त और कोई उपाय था भी नहीं। रेपो दर में वृद्धि वित्तीय बाजार में लगाए जा रहे अनुमान के आधार पर ही रही है। भारतीय रिजर्व बैंक ने यह भी स्पष्ट किया है कि निकट भविष्य में रेपो दर में कमी की सम्भावना अब कम ही है बल्कि वित्तीय बाजार का अनुमान है कि दिसम्बर माह में होने वाली भारतीय रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति कमेटी की बैठक में भी सम्भवतः रेपो दर में 25 आधार बिंदुओं की पुनः वृद्धि की घोषणा की जाएगी।

दरअसल वैश्विक स्तर पर वित्तीय बाजार में अनिश्चितता का माहौल बना हुआ है क्योंकि रूस-यूक्रेन युद्ध, इजराईल-हम्मास युद्ध, ईरान-अमेरिका युद्ध तो लम्बे समय से चल ही रहा था अब सऊदी अरब-हूथी युद्ध भी छिड़ गया है एवं इसमें पाकिस्तान एवं टर्की भी शामिल हो गए हैं। इस सबका विपरीत प्रभाव वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की आपूर्ति पर पड़ा है एवं कच्चे तेल की कीमतें आसमान छूने लगी हैं जिससे विश्व के कई देशों में मुद्रा स्फीति की स्थिति लगातार गम्भीर होती जा रही है। भारतीय रिजर्व बैंक ने वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए भारत में मुद्रा स्फीति के अनुमान को बढ़ाया है। पूर्व में, वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए भारत में मुद्रा स्फीति के 5 प्रतिशत तक रहने का अनुमान लगाया गया था, जिसे अब बढ़ाकर 5.2 प्रतिशत कर दिया गया है। मुद्रा स्फीति, एक गम्भीर समस्या के रूप में उभर कर सामने आ रही है, इसे नियंत्रित करना अति आवश्यक है क्योंकि इसका सबसे अधिक विपरीत प्रभाव गरीब नागरिकों पर अति गम्भीर रूप से पड़ता है। मुद्रा स्फीति के लगातार बढ़ने से नागरिकों की क्रय शक्ति कमजोर हो जाती है। पूरे विश्व में लगभग समस्त देशों द्वारा मुद्रा स्फीति को नियंत्रित करने के उद्देश्य से ब्याज दरों में वृद्धि की जाती है ताकि नागरिक अपने खर्चों को बढ़ाने के लिए निरुत्साहित हों एवं इस धनराशि को वे बैकों में जमा करें एवं साथ ही नागरिक बैकों से ऋणराशि लेने हेतु भी निरुत्साहित हों क्योंकि ब्याज दर के बढ़ाने से ऋणराशि पर अब अधिक ब्याज देना होगा। इससे बाजार में उत्पादों की मांग में कमी आती है एवं उत्पादों की कीमतें कम होने लगती हैं और अंततः मुद्रा स्फीति पर नियंत्रण स्थापित होने लगता है। परंतु, ब्याज दरों में एक सीमा से अधिक वृद्धि करने से आर्थिक विकास दर विपरीत रूस से प्रभावित होने लगती है। प्राचीन भारतीय ग्रंथों में तो मुद्रा स्फीति का उल्लेख ही नहीं मिलता है क्योंकि उत्पादों की पर्याप्त आपूर्ति बाजार में बनाए रखी जाती थी, बल्कि शास्त्रों में उत्पादों के दाम कम होते जाने का उल्लेख जरूर मिलता है। वर्तमान स्थिति बिलकुल भिन्न है, बाजार में उत्पादों की मांग बढ़ जाती है परंतु आपूर्ति सुनिश्चित नहीं हो पाती है, इससे इन उत्पादों की कीमतों में वृद्धि दृष्टिगोचर होने लगती है। प्राचीन भारतीय आर्थिक दर्शन के अनुसार, मूल्य वृद्धि को बाजार में वस्तुओं/उत्पादों की आपूर्ति को बढ़ाकर नियंत्रित किया जाना चाहिए न कि इन उत्पादों की मांग में कमी करने के प्रयास कर इन वस्तुओं/उत्पादों की कीमतों पर नियंत्रण स्थापित किया जाय। पूंजीवादी व्यवस्था के अंतर्गत ब्याज दर में की गई वृद्धि के कारण बाजार पर होने वाले नकारात्मक प्रभाव को आंकने का प्रयास ही नहीं किया जाता हैं। यदि उत्पादों की मांग में कमी करने के प्रयास किए जाएंगे तो इन उत्पादों का निर्माण कम होगा, इससे विनिर्माण इकाईयों एवं इन इकाईयों में कार्यरत श्रमिकों पर विपरीत प्रभाव पड़ सकता है। उत्पादन कम होने के चलते विनिर्माण इकाईयों द्वारा बहुत सम्भव है कि श्रमिकों की छटनी की जाने लगे। इससे देश में बेरोजगारी फैल सकती है।

दैनिक श्रमसाधना
ग्वालियर शिवपुरी से प्रकाशित
www.shramsadhnanews.com

‘नर्सिंग डिजिटलिया’ पुस्तिका एवं ‘गर्भ संस्कार-नर्सेस प्रशिक्षण’ बुकलेट का किया विमोचन

नर्सिंग सेवाओं में नवाचार और तकनीक के साथ संस्कारों का समावेश जरूरी: उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल

भोपाल, जीएनएस।
उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने सेज यूनिवर्सिटी भोपाल में 11 वीं राज्य स्तरीय TNAI कांफ्रेंस-2026 का उद्घाटन किया। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि गर्भ संस्कार और नर्सिंग में इनोवेटिव टेक्नोलॉजी जैसे दो महत्वपूर्ण विषय इस सम्मेलन को विशेष बनाते हैं। उन्होंने कहा कि यदि बच्चों में अच्छे संस्कार बचपन से ही विकसित किए जाएं, तो वे बड़े होकर समाज के लिए महत्वपूर्ण संपत्ति बनते हैं। गर्भावस्था से ही मां और बच्चे के स्वास्थ्य और संस्कारों पर ध्यान देने से सुरक्षित मातृत्व को बढ़ावा मिलेगा और मातृ एवं शिशु मृत्यु दर में कमी लाने में भी मदद मिलेगी।

उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि सम्मेलन में विशेषज्ञों द्वारा नर्सिंग क्षेत्र से जुड़े विभिन्न विषयों पर दिए जाने वाले व्याख्यान और विचारों को केवल सुनना ही नहीं, बल्कि उनका मनन कर अपने आचरण और व्यवहार में उतारना भी जरूरी है। उन्होंने कहा कि नर्सें अस्पताल और फील्ड में मरीजों के साथ संवेदनशीलता और समर्पण के साथ कार्य करें और अपने कार्य से एक आदर्श नर्स के रूप में पहचान स्थापित करें, ताकि लंबे समय तक

उनके सेवा कार्यों को याद किया जाए।

दो दिवसीय कांफ्रेंस में नर्सिंग शिक्षा, क्लीनिकल प्रैक्टिस, नवाचार एवं तकनीक से नर्सिंग सेवाओं को सशक्त बनाने पर होगा विमर्श ÷रीडिफ़ाइनिंग क्लिनिकल प्रैक्टिस~ एम्पावरिंग नर्सेस थ्रू इनोवेटिव टेक्नोलॉजी÷ थीम पर आयोजित दो दिवसीय कांफ्रेंस में नर्सिंग शिक्षा, क्लीनिकल प्रैक्टिस, नवाचार एवं तकनीक के माध्यम से नर्सिंग सेवाओं को सशक्त बनाने से जुड़े विभिन्न विषयों पर विचार-विमर्श होगा। पहले दिन गर्भ संस्कार, सम्मानजनक मातृ देखभाल, प्रसव की तैयारी में नर्सों की भूमिका सहित महत्वपूर्ण विषयों पर सत्र आयोजित किए जा रहे हैं। इसके साथ व्यक्तित्व एवं नृत्य प्रतियोगिता तथा सांस्कृतिक कार्यक्रम भी होंगे। दूसरे दिन वैज्ञानिक सत्रों में नर्सिंग क्षेत्र के समकालीन विषयों पर विशेषज्ञ प्रस्तुतियां देंगे और समापन सत्र में पुरस्कार एवं प्रमाण-पत्र वितरण होगा। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि ऐसे प्रयास सुरक्षित मातृत्व और बेहतर स्वास्थ्य सेवाओं की दिशा में महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने सेज ग्रुप के संस्थापक अध्यक्ष एवं चांसलर श्री संजीव अग्रवाल को आधुनिक शैक्षणिक परिसर विकसित करने और शिक्षा के साथ मानवीय संवेदनाओं और सामाजिक सरोकारों को जोड़ने के लिए बधाई दी। उन्होंने कहा कि श्री अग्रवाल की ऊर्जा और उद्यमशीलता से विद्यार्थियों को बेहतर अवसर मिल रहे हैं। उन्होंने ‘नर्सिंग डिजिटलिया’ स्मारिका एवं गर्भ संस्कार नर्सेस प्रशिक्षण बुकलेट का विमोचन भी किया। कार्यक्रम में नर्सिंग एवं एलाइड हेल्थ निदेशक डॉ. बीनू कुशवाह सिंह, ञ्ह्रढ्ढ मध्यप्रदेश की अध्यक्ष प्रो. (डॉ.) सुनीता लॉरेंस, राज्य सचिव प्रो. (डॉ.) जया बिजॉय, सहित अन्य पदाधिकारी एवं अतिथि उपस्थित रहे।

सेरेब्रल पाल्सी प्रभावित बच्चों के लिए रेडक्रॉस-DDRC का जागरूकता कार्यक्रम

दतिया, जीएनएस।
विश्व सेरेब्रल पाल्सी दिवस पर भारतीय रेडक्रॉस सोसायटी, जिला शाखा दतिया एवं जिला दिव्यांग पुनर्वास केंद्र (DDRC) के संयुक्त तत्वावधान में सेरेब्रल पाल्सी से प्रभावित बच्चों एवं उनके अभिभावकों के लिए निःशुल्क जांच, जागरूकता एवं मार्गदर्शन कार्यक्रम आयोजित किया गया।

कार्यक्रम में कलेक्टर स्वप्निल वानखडे ने विशेष रूप से उपस्थित रहकर सेरेब्रल पाल्सी से प्रभावित बच्चों का सम्मान कर उनका उत्साहवर्धन किया तथा बच्चों एवं अभिभावकों से संवाद कर उन्हें समाज की मुख्यधारा से जोड़ने एवं समान अवसर प्रदान करने पर जोर दिया। विशेषज्ञ चिकित्सकों एवं फिजियो थेरेपिस्ट द्वारा बच्चों की जांच की गई तथा सेरेब्रल पाल्सी की समय पर पहचान, उपचार, देखभाल, फिजियोथेरेपी एवं पुनर्वास के संबंध में अभिभावकों को मार्गदर्शन दिया गया। डॉ. राजेश गुप्ता, डॉ. दिनेश कुमार गुप्ता एवं डॉ. कुमैल जैदी सहित अन्य सहयोगी चिकित्सकों ने भी अपनी सेवाएं प्रदान कीं।रेडक्रॉस राज्य प्रबंध समिति सदस्य अमित अग्रवाल ने बच्चों एवं अभिभावकों से संवाद करते हुए कहा कि ÷इन बच्चों को दया नहीं, बल्कि सम्मान, अवसर, प्रोत्साहन और हमारे विश्वास की आवश्यकता है। हमें उनकी कमियों के बजाय उनकी क्षमताओं और संभावनाओं को देखना चाहिए।÷ उन्होंने बच्चों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि ÷हर बच्चे के आगे बढ़ने का तरीका अलग हो सकता है, लेकिन आगे बढ़ने का अधिकार सबका समान है। कार्यक्रम आयोजन में रेडक्रॉस सोसायटी दतिया के सचिव पुनीत तिलवानी, कामिनी शर्मा, ष्ठष्ठक्रष्ट एवं रेडक्रॉस के सदस्यों तथा अन्य सहयोगी चिकित्सकों और कार्यकर्ताओं की महत्वपूर्ण सहभागिता रही।

हिंदी सिनेमा के महान अभिनेता नाना पाटेकर के निधन से कला जगत में शोक की लहर

अनुभवी अभिनेता नाना पाटेकर का निधन भारतीय सिनेमा के लिए अपूरणीय क्षति

भारतीय फिल्म जगत के दिग्गज अभिनेता श्री नाना पाटेकर जी के 8 अक्टूबर 2026 को निधन का समाचार अत्यंत दुखद है। 75 वर्ष की आयु में उनके निधन से हिंदी एवं मराठी सिनेमा ने एक ऐसे प्रतिभाशाली कलाकार को खो दिया, जिन्होंने अपने दमदार अभिनय, प्रभावशाली संवाद अदायगी और अद्वितीय व्यक्तित्व से करोड़ों दर्शकों के दिलों में विशेष स्थान बनाया।

नाना पाटेकर जी केवल एक अभिनेता ही नहीं, बल्कि अपनी कला के प्रति समर्पण और सामाजिक कार्यों में योगदान के लिए भी जाने जाते थे। क्रांतिवीर, परिंदा और नटसम्राट जैसी फिल्मों में उनके अभिनय को दर्शकों ने खूब सराहा। उनके अभिनय की गहराई और संवादों की प्रभावशाली शैली ने उन्हें भारतीय सिनेमा में एक अलग पहचान दिलाई।

भावपूर्ण श्रद्धांजलि

किसी महान कलाकार का जाना केवल एक व्यक्ति का जाना नहीं होता, बल्कि उसके साथ अनेक यादें, भावनाएँ और अनगिनत प्रेरणादायक पल जुड़े होते हैं। नाना पाटेकर जी की कला और उनके द्वारा निभाए गए यादगार किरदार हमेशा दर्शकों के दिलों में जीवित रहेंगे।

उनके निधन से फिल्म जगत सहित उनके चाहने वालों में शोक की लहर है। यह क्षति लंबे समय तक महसूस की जाएगी। ईश्वर दिवंगत आत्मा को शांति प्रदान करें तथा उनके परिवार, मित्रों और करोड़ों प्रशंसकों को इस दुख को सहन करने की शक्ति दें।

दो टीमों ने स्वास्थ्य शिविर में पांच दर्जन मरीजों का किया इलाज

जालौन, जीएनएस।
गुरुवार के दिन नगर पालिका परिषद कालपी सभागार में आयोजित आयुर्वेदिक अस्पताल कालपी एवं सीएचसी कालपी संयुक्त स्वास्थ्य शिविर में डॉ सुषमा चटर्जी डॉक्टर दिलीप कुमार फार्मासिस्ट जयपाल सिंह मोहम्मद समीर रिजवान डोडा विभाग से सहयोगी कन्हैया मिश्रा पालिका से लिपिक शिशुपाल सिंह उर्फ पप्पी यादव शिवकुमार यादव पवन प्रजापति समेत लोगों के सहयोग से शिविर आयोजित किया गया शिविर में आने वाले 60 मरीजों का तत्परता से आयुर्वेदिक राजकीय अस्पताल एवं सीएचसी कालपी की टीम ने अलग-अलग मरीजों का इलाज कर स्वस्थ होने के लिए निशुल्क दवाइयों को उपलब्ध कराया गया टीम के प्रमुख डॉक्टर ने मौजूद मरीजों से कहा कि स्वास्थ्य के लिए खाना लेने में हल्का भोजन ले जिससे आपका शरीर सदैव स्वस्थ रहेगा इस समय जो बीमारी चल रही है उस बीमारी से सभी लोग सतर्क रहें तथा सावधानी रखें उन्होंने कहा कि किसी भी व्यक्ति को महिला युवा बच्चे हल्की सी बीमारी आए तो संबंधित सरकारी अस्पताल में जाकर अपना इलाज करा कर स्वस्थ रहने की बराबर कवायत करें जिससे बीमारी से मुक्ति मिल सके।

शहर बढ़ रहा है, सुविधाओं की जरूरत बढ़ रही है; करैरा को अब नगर पालिका का दर्जा मिले

करैरा, जीएनएस।
करैरा शहर का लगातार विस्तार हो रहा है शहर की सीमाएं बढ़ रही हैं और आसपास की लगभग चार.पांच. ग्राम पंचायतें करैरा के बढ़ते शहरी क्षेत्र से जुड़ रही हैं आबादी और शहरी गतिविधियां लगातार बढ़ रही हैं, लेकिन करैरा आज भी नगर परिषद के स्तर पर ही अटका हुआ है। करैरा को नगर पालिका का दर्जा दिलाने की मांग आज तक मजबूती से क्यों नहीं उठाई गई!

शहर बढ़ रहा है, नई कॉलोनियां विकसित हो रही हैं, जमीनों के दाम बढ़ रहे हैं, व्यापार बढ़ रहा है और नागरिक सुविधाओं पर दबाव लगातार बढ़ रहा है ऐसे में करैरा के भविष्य को देखते हुए आसपास के क्षेत्रों को जोड़कर नगर पालिका का विस्तार और दर्जा देने पर गंभीरता से विचार होना चाहिए यह किसी एक व्यक्ति या राजनीतिक दल का मुद्दा नहीं है! यह करैरा के भविष्य और आने वाली पीढ़ियों के शहर का सवाल है अब समय आ गया है कि जनप्रतिनिधि, प्रशासन और शहर के नागरिक मिलकर इस मुद्दे को सरकार के सामने मजबूती से रखें! करैरा बढ़ रहा है, तो व्यवस्था भी बढ़नी चाहिए!!

चेतना मंच दशहरे में श्रीराम कथा का भव्य मंचन 20 को

ग्वालियर, जीएनएस।
चेतना मंच के तत्वाधान में शताब्दीपुरम् स्थित नवीन दशहरा मैदान में 22वें विशाल दशहरा समारोह का आयोजन 20 अक्टूबर को किया जायेगा। कार्यक्रम में नगर के प्रतिष्ठित समाज सेवी गोपाल दास लड्ढा को वर्ष 2026 के ''पुरूषोत्तम सम्मान'' से सम्मानित किया जायेगा। इससे पूर्व 11 अक्टूबर को ''श्रीराम सनातन चेतना यात्रा'' का आयोजन किया जायेगा। चेतना मंच के अध्यक्ष श्री दीपक तोमर एवं संरक्षक श्री बृजेश यादव ने पत्रकारों से चर्चा में बताया कि नवीन दशहरा मैदान शताब्दीपुरम् में 22वें दशहरा समारोह में स्व. श्री महेश खण्डेलवाल जी की स्मृति में प्रदान किया जाने वाला ''पुरूषोत्तम सम्मान'' इस वर्ष महानगर के सुप्रसिद्ध समाज सेवी श्री गोपाल दास लड्ढा जी को उनके दीर्घ कालीन सामाजिक कार्यो हेतु प्रदान किया जायेगा इसके उपरान्त ''श्रीराम कथा'' नामक ''संगीत नाटिका'' का मंचन किया जायेगा तदुपरान्त 65 फीट के रावण कुम्भकरण एवं मेघनाथ के पुतलों का दहन किया जायेगा जो सम्भवतः नगर में सबसे बड़ा रावण दहन होगा। कार्यक्रम का समापन भव्य आतिशबाजी से होगा। ''श्रीराम कथा'' के निर्देशक बृज किशोर दीक्षित हैं, जिसमें 80 कलाकार इस मनमोहक संगीत नाटिका में रामायण के विभिन्न प्रसंगों पर प्रस्तुती देंगे। एक घण्टा तीस मिनट अवधि की इस श्रीराम कथा में राम जन्म, ताड़का वध, सीता स्वयंवर, अशोक वाटिका लंका दहन, राम रावण युद्ध एवं राम राज्याभिषेक मुख्य आकर्षण होगें। कार्यक्रम के अन्त में 65 फीट के रावण मेघनाथ एवं कुम्भकरण के विशाल पुतलों का दहन किया जायेगा तथा बहुत ही आकर्षक आतिशबाजी होगी।

चेतना मंच के संरक्षक हरी मोहन पुरोहित ने बताया कि दशहरे से पूर्व रविवार 11 अक्टूबर सायंकाल 03 बजे चेतना मंच द्वारा विशाल ''श्रीराम सनातन चेतना यात्रा'' का शुभारम्भ पुराने दशहरा मैदान, दीनदयाल नगर से नवीन दशहरा मैदान शताब्दीपुरम् तक किया जायेगा। यात्रा का मुख्य उद्देश्य युवाओं में सनातन संस्कृति की चेतना जागृत कर उन्हें भारतीय संस्कृति से जोड़ कर सदकर्मों की चेतना जागृत करना है। यात्रा का भव्य स्वागत दीनदयाल नगर शताब्दीपुरम् वासियों द्वारा अनेक स्थानों पर किया जायेगा। कार्यक्रम को मॉ पीताम्बरा ज्वैलर्स, चौधरी घनश्याम एकेडमी, अभिलाषा एन.डी.ए. क्लासेस, रिसा इण्डस्ट्रीज, बृजवासी मिष्ठान भण्डार, श्रीराम मिष्ठान भण्डार, सजल कन्स्ट्रक्शन एवं रेस्टॉरेंट, ऋषि गालब पब्लिक स्कूल।

7.1 प्रतिशत विकास दर से दुनिया चकित, लोकतंत्र में सियासी संग्राम

एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी, गोंदिया, महाराष्ट्र

21वीं सदी के वैश्विक परिदृश्य में 6 अक्टूबर 2026 का दिन भारत के लिए आर्थिक उपलब्धि, राजनीतिक संघर्ष और संवैधानिक विमर्श के लिहाज से महत्वपूर्ण रहा। एक ओर पश्चिम एशिया सहित दुनिया के कई हिस्सों में युद्ध, भू-राजनीतिक तनाव, ऊर्जा असुरक्षा और आर्थिक अनिश्चितता का माहौल है, वहीं दूसरी ओर विश्व बैंक ने वित्त वर्ष 2026-27 के लिए भारत की आर्थिक विकास दर का अनुमान 6.6 प्रतिशत से बढ़ाकर 7.1 प्रतिशत कर दिया। इसी दिन दिल्ली में विपक्षी सांसदों ने निर्वाचन आयोग के खिलाफ मार्च निकालकर मुख्य चुनाव आयुक्त के इस्तीफे और मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर को वापस लेने की मांग की। दूसरी ओर, सर्वोच्च न्यायालय ने स्कूलों की प्रार्थना सभा में संविधान की प्रस्तावना का प्रतिदिन अनिवार्य पाठ कराने की मांग वाली याचिका पर हस्तक्षेप करने से इनकार कर दिया।

इन तीनों घटनाओं को एक साथ देखने पर भारत की एक व्यापक तस्वीर सामने आती है। देश आर्थिक विकास की गति बनाए रखने का प्रयास कर रहा है, राजनीतिक दल लोकतांत्रिक संस्थाओं को लेकर अपनी-अपनी चिंताएं सामने रख रहे हैं और न्यायपालिका संविधान के प्रावधानों के साथ अपनी भूमिका की सीमाओं पर भी विचार कर रही है। भारत की वैश्विक प्रतिष्ठा के लिए आर्थिक मजबूती जितनी जरूरी है, उतना ही महत्वपूर्ण लोकतांत्रिक संस्थाओं पर जनता का भरोसा और संवैधानिक व्यवस्था का प्रभावी संचालन भी है।

7.1 प्रतिशत विकास दर- वैश्विक अर्थव्यवस्था में भारत की बढ़ती भूमिका

विश्व बैंक द्वारा वित्त वर्ष 2026-27 के लिए भारत की विकास दर का अनुमान बढ़ाकर 7.1 प्रतिशत किया जाना अर्थव्यवस्था के लिए उत्साहजनक संकेत है। अप्रैल 2026 में यह अनुमान 6.6 प्रतिशत था। अनुमान में हुई वृद्धि भारत की आर्थिक संभावनाओं के प्रति सकारात्मक आकलन को दर्शाती है। हालांकि, अनुमान और वास्तविक विकास दर के बीच अंतर हो सकता है, इसलिए इसे आर्थिक प्रदर्शन की अंतिम उपलब्धि के बजाय भविष्य की संभावनाओं के संकेत के रूप में देखना चाहिए।

वैश्विक अर्थव्यवस्था इस समय अनेक चुनौतियों से गुजर रही है। युद्ध और भू-राजनीतिक तनाव से ऊर्जा की कीमतों में उतार-चढ़ाव, आपूर्ति श्रृंखला में व्यवधान और महंगाई का जोखिम बढ़ सकता है। ऐसे वातावरण में भारत की घरेलू मांग, सेवा क्षेत्र की गतिविधियां, औद्योगिक उत्पादन और निवेश आर्थिक विकास के महत्वपूर्ण आधार हैं। बड़े घरेलू बाजार और विविध आर्थिक गतिविधियों के कारण भारत को विकास के अवसर मिलते हैं।

फिर भी 7.1 प्रतिशत की अनुमानित विकास दर अपने आप में सभी आर्थिक समस्याओं के समाधान की गारंटी नहीं है। कृषि उत्पादन, मानसून, खाद्य पदार्थों की कीमतें, वैश्विक ऊर्जा बाजार और रोजगार सृजन जैसे पहलुओं पर निरंतर ध्यान देना आवश्यक है। आर्थिक विकास का वास्तविक लाभ तभी व्यापक होगा, जब उसका असर आम नागरिकों की आय, रोजगार के अवसरों, छोटे कारोबारों और जीवन स्तर में दिखाई दे।

भारत के लिए चुनौती केवल विकास दर को ऊंचा बनाए रखने की नहीं, बल्कि इस विकास को समावेशी बनाने की भी है। निवेश बढ़े, उद्योगों को प्रोत्साहन मिले, युवाओं के लिए रोजगार के अवसर पैदा हों और ग्रामीण अर्थव्यवस्था मजबूत हो, तभी आर्थिक प्रगति का लाभ समाज के बड़े हिस्से तक पहुंचेगा। वैश्विक निवेशकों का विश्वास भी दीर्घकाल में आर्थिक नीतियों की स्थिरता, पारदर्शिता और संस्थागत विश्वसनीयता पर निर्भर करता है।

निर्वाचन आयोग के खिलाफ विपक्ष का मार्च, मतदाता सूची पर बहस

आर्थिक घटनाक्रम के समानांतर 6 अक्टूबर को दिल्ली में राजनीतिक गतिविधियां भी चर्चा के केंद्र में रहीं। विपक्षी गठबंधन के नेताओं और सांसदों ने संसद भवन से निर्वाचन आयोग की ओर मार्च किया। रिपोर्टों के अनुसार, लगभग 140 विपक्षी सांसद इस विरोध में शामिल हुए। विपक्ष ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे और मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर की प्रक्रिया वापस लेने की मांग उठाई।

राहुल गांधी, प्रियंका गांधी वाड्रा, मल्लिकार्जुन खड़गे और अखिलेश यादव सहित विपक्ष के प्रमुख नेताओं की मौजूदगी ने इस प्रदर्शन को राष्ट्रीय राजनीतिक विमर्श का विषय बनाया। पुलिस ने मार्च को निर्वाचन आयोग के कार्यालय तक पहुंचने से पहले रोक दिया और कुछ नेताओं को हिरासत में लिए जाने की खबरें सामने आईं।

विपक्ष का आरोप है कि एसआईआर प्रक्रिया के दौरान मतदाता सूची में अनियमितताओं और मतदाताओं के नाम हटाए जाने को लेकर गंभीर सवाल हैं। दूसरी ओर, निर्वाचन आयोग की ओर से ऐसी प्रक्रियाओं को मतदाता सूची को अद्यतन और व्यवस्थित करने के उद्देश्य से किया जाने वाला कार्य बताया जाता है। इन परस्पर विरोधी दावों का निष्पक्ष आकलन तथ्यों, दस्तावेजों और संबंधित कानूनी प्रक्रियाओं के आधार पर होना चाहिए। भारत में चुनाव केवल प्रतिनिधियों के चयन की प्रक्रिया नहीं हैं, बल्कि वे नागरिकों के मताधिकार और सत्ता के शांतिपूर्ण हस्तांतरण की आधारशिला भी हैं। इसलिए मतदाता सूची की शुद्धता और चुनावी प्रक्रिया की निष्पक्षता पर उठने वाले सवालों को गंभीरता से सुनना आवश्यक है। यदि किसी मतदाता का नाम गलत तरीके से हटाया जाता है, तो उसके अधिकारों पर प्रभाव पड़ सकता है। वहीं, मतदाता सूची को सही और अद्यतन रखना भी स्वतंत्र एवं निष्पक्ष चुनाव के लिए जरूरी है।

इस स्थिति में संस्थागत पारदर्शिता और तथ्यात्मक स्पष्टीकरण की भूमिका महत्वपूर्ण हो जाती है। राजनीतिक दलों को अपने आरोप प्रमाणों के साथ सामने रखने चाहिए और निर्वाचन आयोग को नियमों के अनुरूप प्रक्रिया की जानकारी स्पष्ट रूप से उपलब्ध करानी चाहिए। लोकतंत्र में असहमति स्वाभाविक है, लेकिन उसका समाधान आरोप-प्रत्यारोप से आगे बढ़कर संवैधानिक प्रक्रिया और प्रमाणों के आधार पर होना चाहिए।

निर्वाचन आयोग की विश्वसनीयता केवल चुनाव संपन्न कराने से नहीं, बल्कि जनता के बीच निष्पक्षता का भरोसा बनाए रखने से भी जुड़ी है। इसी तरह राजनीतिक विरोध की प्रभावशीलता भी तथ्यों और लोकतांत्रिक मर्यादाओं के पालन से मजबूत होती है। लोकतंत्र की परिपक्वता का आकलन इस बात से किया जा सकता है कि संस्थाओं पर उठने वाले सवालों का समाधान किस तरह किया जाता है।

दवा में डकैती : जीवनरक्षक दवाओं पर मुनाफे की मार

प्रमोद भार्गव

जीवन बचाने वाली दवाएं यदि मरीजों की आर्थिक स्थिति बिगाड़ने का कारण बन जाएं, तो स्वास्थ्य व्यवस्था की संवेदनशीलता पर सवाल उठना स्वाभाविक है। कैंसर जैसी गंभीर बीमारी के उपचार में इस्तेमाल होने वाली दवाओं की कीमतों में भारी अंतर को लेकर सर्वोच्च न्यायालय की सख्त टिप्पणी ने दवा कारोबार की कार्यप्रणाली पर बहस तेज कर दी है। 29 सितंबर 2026 को हुई सुनवाई के दौरान न्यायमूर्ति विक्रमनाथ और न्यायमूर्ति संदीप मेहता की पीठ ने एक दवा की अधिकतम खुदरा कीमत और सरकारी खरीद मूल्य के बीच दस गुना से अधिक अंतर पर गंभीर चिंता जताई। बताया गया कि जिस दवा की खुदरा बिक्री करीब 2700 रुपए में हो रही थी, उसकी अधिकतम खुदरा कीमत 27 हजार रुपए अंकित थी। अदालत ने इस अंतर को बेहद गंभीर बताते हुए सवाल किया कि इतना पैसा कहां जा रहा है और इसका लाभ किसे मिल रहा है?

यह मामला केवल किसी एक दवा की कीमत तक सीमित नहीं है। यह उस व्यवस्था पर सवाल खड़ा करता है, जिसमें गंभीर बीमारी से जूझ रहे मरीजों और उनके परिजनों को उपचार के साथ-साथ आर्थिक संकट का भी सामना करना पड़ता है। दवा की कीमत में इतना बड़ा अंतर होने पर उसके मूल्य निर्धारण, वितरण, अस्पतालों की खरीद व्यवस्था और संबंधित नियामक संस्थाओं की भूमिका की पड़ताल जरूरी हो जाती है। हालांकि, अलग-अलग खरीद मूल्यों और खुदरा कीमतों की तुलना करते समय दवा की मात्रा, पैक, कर, आपूर्ति की शर्तों और अन्य लागतों को भी ध्यान में रखना आवश्यक है।

भारत में दवाओं की कीमतों को नियंत्रित करने के लिए व्यवस्थाएं मौजूद हैं। राष्ट्रीय औषधि मूल्य निर्धारण प्राधिकरण यानी एनपीपीए आवश्यक दवाओं की कीमतों पर नियंत्रण रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इसके बावजूद यदि मरीजों को निर्धारित मूल्य से अधिक भुगतान करना पड़ता है या एक ही दवा की कीमतों में असामान्य अंतर सामने आता है, तो निगरानी व्यवस्था की प्रभावशीलता पर प्रश्न उठते हैं। दवा उत्पादकों, वितरकों, अस्पतालों और सरकारी खरीद से जुड़े अधिकारियों की जवाबदेही तय करना इसलिए जरूरी है, ताकि मरीजों को उचित मूल्य पर गुणवत्तापूर्ण दवाएं उपलब्ध हो सकें।

कानून और व्यवस्था के बीच अंतर : दवाओं की कीमतों को पारदर्शी बनाने के लिए नियम बनाए गए हैं, लेकिन उनका वास्तविक लाभ मरीजों तक पहुंचना सबसे महत्वपूर्ण है। दवा कंपनियां अपने उत्पादों का मूल्य किस आधार पर तय करती हैं, उत्पादन लागत और वितरण खर्च का उसमें कितना योगदान होता है तथा अधिकतम खुदरा मूल्य और वास्तविक बिक्री मूल्य में कितना अंतर रखा जाता है–इन सवालों का स्पष्ट उत्तर मिलना चाहिए।

दवा कारोबार में पारदर्शिता का अर्थ केवल पैकेट पर अधिकतम खुदरा मूल्य लिख देना नहीं है। मरीज को यह भी पता होना चाहिए कि संबंधित दवा निर्धारित मूल्य पर कहां उपलब्ध है और क्या उसके पास कम कीमत पर समान गुणवत्ता वाली दवा खरीदने का विकल्प मौजूद है। खुदरा दुकानों, थोक विक्रेताओं और ऑनलाइन दवा कारोबार में मूल्य संबंधी नियमों का पालन सुनिश्चित करना आवश्यक है।

निजी अस्पतालों में दवाओं की खरीद और बिक्री को लेकर भी शिकायतें सामने आती रही हैं। कुछ मरीजों और परिजनों का कहना है कि अस्पताल के भीतर स्थित मेडिकल स्टोर से ही दवा खरीदने का दबाव बनाया जाता है। यदि बाहर से दवा खरीदने पर उपचार प्रभावित होने की आशंका जताई जाती है, तो मरीज के सामने विकल्प सीमित हो जाते हैं। गंभीर बीमारी के समय परिवार पहले ही मानसिक और आर्थिक दबाव में होता है। ऐसे में दवाओं की खरीद को लेकर अनावश्यक बाधाएं उसकी परेशानी बढ़ा सकती हैं।

अस्पतालों का उद्देश्य मरीजों को गुणवत्तापूर्ण उपचार उपलब्ध कराना होना चाहिए। दवा की उपलब्धता, गुणवत्ता और कीमत के संबंध में मरीजों को स्पष्ट जानकारी दी जानी चाहिए। जहां सरकारी स्वास्थ्य योजनाओं के अंतर्गत उपचार किया जाता है, वहां पारदर्शिता और जवाबदेही की आवश्यकता और बढ़ जाती है। दवा उद्योग का विकास चिकित्सा विज्ञान और सार्वजनिक स्वास्थ्य के लिए जरूरी है। नई दवाओं के अनुसंधान, उत्पादन और वितरण में निवेश की आवश्यकता होती है।

लेकिन जीवनरक्षक दवाओं के मूल्य निर्धारण में उचित मुनाफे और मरीजों की आर्थिक क्षमता के बीच संतुलन बनाए रखना भी उतना ही महत्वपूर्ण है। जब कीमतें सामान्य लोगों की पहुंच से बाहर होने लगती हैं, तो उपचार अधूरा छोड़ने या जरूरी दवाओं का नियमित सेवन न कर पाने जैसी समस्याएं पैदा हो सकती हैं।

दवाओं की कीमतों में असामान्य अंतर की जांच केवल उत्पादक कंपनियों तक सीमित नहीं रहनी चाहिए। वितरण श्रृंखला में शामिल थोक विक्रेताओं, खुदरा दुकानों, अस्पतालों और सरकारी खरीद एजेंसियों की भूमिका भी जांच के दायरे में आनी चाहिए। यह देखना जरूरी है कि कहीं खरीद प्रक्रिया में अनियमितता, अनावश्यक कमीशन या अनुचित लाभ की गुंजाइश तो नहीं है।

दवा कंपनियों और चिकित्सकों के संबंधों को लेकर भी समय-समय पर सवाल उठते रहे हैं। यदि किसी चिकित्सक को उपहार, आर्थिक लाभ या अन्य प्रलोभन देकर किसी खास कंपनी की दवाएं लिखने के लिए प्रभावित किया जाता है, तो इसका नुकसान अंततः मरीज को उठाना पड़ सकता है। चिकित्सक का दायित्व मरीज की बीमारी, जरूरत और आर्थिक स्थिति के अनुरूप उचित उपचार सुझाना है। दवा का चयन वैज्ञानिक प्रमाण, प्रभावशीलता, सुरक्षा और उपलब्ध विकल्पों के आधार पर होना चाहिए।

इसी प्रकार अनावश्यक जांचों और जरूरत से अधिक दवाएं लिखने की शिकायतों की निष्पक्ष जांच होनी चाहिए। हालांकि, प्रत्येक महंगी दवा या जांच को अनावश्यक मानना उचित नहीं है। कुछ गंभीर बीमारियों में विशेष दवाओं और जांचों की जरूरत हो सकती है। समस्या तब पैदा होती है, जब उपचार संबंधी निर्णय मरीज के हित के बजाय अनुचित आर्थिक लाभ से प्रभावित होने लगते हैं।

चिकित्सा पेशे की विश्वसनीयता मरीज और चिकित्सक के बीच विश्वास पर टिकी है। यदि मरीज को यह आशंका होने लगे कि उसे सुझाया गया उपचार उसकी जरूरत से अधिक किसी दूसरे के लाभ के लिए है, तो इस संबंध में अविश्वास बढ़ता है। इसलिए चिकित्सकीय नैतिकता और व्यावसायिक पारदर्शिता का पालन अनिवार्य होना चाहिए।

सरकारी खरीद में पारदर्शिता जरूरी

दवाओं की कीमतों में अंतर को समझने के लिए सरकारी खरीद व्यवस्था की समीक्षा भी आवश्यक है। सरकारी अस्पतालों में बड़ी मात्रा में दवाएं खरीदी जाती हैं। यदि खरीद प्रक्रिया पारदर्शी हो, गुणवत्ता के मानक स्पष्ट हों और मूल्य का नियमित परीक्षण किया जाए, तो सार्वजनिक धन का बेहतर उपयोग किया जा सकता है।

नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक यानी सीएजी ने भी समय-समय पर सरकारी योजनाओं और दवा मूल्य नियंत्रण से जुड़े विषयों पर सवाल उठाए हैं। दवा कंपनियों को दिए गए कर संबंधी लाभों का वास्तविक फायदा मरीजों तक पहुंचा या नहीं, इसकी जांच आवश्यक है। यदि किसी कंपनी को लागत कम करने या कर में छूट का लाभ मिला है, तो यह देखना चाहिए कि उसका प्रभाव दवाओं की कीमतों पर पड़ा या नहीं।

सरकारी खरीद में केवल सबसे कम बोली को आधार बनाना भी पर्याप्त नहीं है। दवा की गुणवत्ता, प्रभावशीलता, आपूर्ति की निरंतरता, निर्माता की विश्वसनीयता और निर्धारित मानकों का पालन समान रूप से महत्वपूर्ण हैं। सस्ती लेकिन घटिया गुणवत्ता वाली दवा मरीज के लिए नुकसानदेह हो सकती है। इसलिए खरीद प्रक्रिया में कीमत और गुणवत्ता के बीच उचित संतुलन जरूरी है।

तीन महिलाएं और एक युवक शामिल, चोरी के टॉप्स, सोने की चेन और वारदात में इस्तेमाल बाइक जब्त

सराफा दुकानों से आभूषण चुराने वाली गैंग के चार सदस्य गिरफ्तार

ग्वालियर जीएनएस

कोतवाली पुलिस ने सराफा बाजार की दुकानों से सोने के आभूषण चोरी करने के आरोप में एक ही परिवार के चार सदस्यों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों में तीन महिलाएं और एक युवक शामिल हैं। पुलिस के अनुसार, आरोपी ज्वेलरी खरीदने के बहाने दुकानों पर पहुंचते थे और मौका देखकर आभूषण चोरी कर लेते थे। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से सोने के टॉप्स की एक जोड़ी, एक सोने की चेन और वारदात में इस्तेमाल की गई हीरो स्प्लेंडर मोटरसाइकिल जब्त की है।

पुलिस के मुताबिक, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक धर्मवीर सिंह ने जिले में चोरी और नकबजनी की घटनाओं पर अंकुश लगाने के निर्देश दिए थे। इसके बाद अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सुमन गुर्जर के निर्देशन और सीएसपी लश्कर किरण अहिरवार के मार्गदर्शन में कोतवाली थाना प्रभारी निरीक्षक विनोद विनायक करकरे के नेतृत्व में टीम गठित की गई।

सीसीटीवी फुटेज से मिला सुराग : 27 सितंबर 2026 को मोर गली स्थित दिव्यांश ज्वेलर्स पर दो महिलाएं सोने के टॉप्स खरीदने के बहाने पहुंची थीं। दुकान संचालक ने उन्हें आभूषण दिखाए, लेकिन दोनों बिना खरीदारी किए चली गईं। बाद में सामान की गिनती करने पर सोने के दो टॉप्स गायब मिले। इनका वजन पन्नी सहित करीब तीन ग्राम बताया गया। दुकान संचालक की शिकायत पर कोतवाली थाने में अपराध क्रमांक 129/26 के तहत मामला दर्ज किया गया।

जांच के दौरान पुलिस ने दुकान के सीसीटीवी फुटेज देखे, जिनमें दो महिलाएं आभूषण चोरी करती दिखाई दीं। उनकी पहचान और तलाश के लिए मुखबिर तंत्र सक्रिय किया गया। 8 अक्टूबर को मिली सूचना के आधार पर पुलिस न्यू द्वारिकापुरी, पुरानी छावनी स्थित एक किराये के मकान में पहुंची। यहां रेखा धानुक मिली। पूछताछ में उसने अपनी बहन हेमा धानुक और भाई अंकित धानुक के साथ चोरी करना स्वीकार किया। रेखा की निशानदेही पर पुलिस ने सोने जैसी धातु के दो टॉप्स जब्त किए।

दूसरी दुकान से चेन चोरी करना भी स्वीकारा : पुलिस के अनुसार, अंकित धानुक ने पूछताछ में बताया कि वह अपनी दोनों बहनों को अपने जीजा की हीरो स्प्लेंडर मोटरसाइकिल से दुकान तक लाने और वापस ले जाने में मदद करता था। पुलिस ने उसके कब्जे से मोटरसाइकिल क्रमांक एमपी07-एएच-3592 जब्त की। इसके बाद पुलिस ने हेमा धानुक को भी गिरफ्तार कर लिया। अन्य वारदातों के संबंध में पूछताछ के दौरान आरोपियों ने अपनी दूसरी बहन रानी धानुक के साथ मिलकर प्रभूदयाल प्रेमचंद सर्राफ ज्वेलर्स से सोने की चेन चोरी करना स्वीकार किया। पुलिस ने रानी को कृष्णा पहाड़ी, मोतीझील क्षेत्र से गिरफ्तार किया। उसकी निशानदेही पर घर से चोरी की सोने की चेन बरामद की गई।

पुलिस ने चारों आरोपियों के खिलाफ संबंधित प्रकरणों में कार्रवाई करते हुए संगठित अपराध से संबंधित भारतीय न्याय संहिता की धारा 112 भी जोड़ी है। कार्रवाई में कोतवाली थाना पुलिस के अधिकारियों और कर्मचारियों की भूमिका रही।

गिरफ्तार आरोपी : रेखा धानुक, हेमा धानुक, रानी धानुक और अंकित धानुक।

जब्त सामान : सोने के दो टॉप्स, एक सोने की चेन और वारदात में इस्तेमाल बाइक।

शराब ठेके के पास मिला जालौन निवासी का शव

ग्वालियर जीएनएस

भिंड जिले के लहार कस्बे में बस स्टैंड स्थित देशी-विदेशी शराब की दुकान के पास एक व्यक्ति का शव मिलने से क्षेत्र में चर्चा फैल गई। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू की।

पुलिस के अनुसार, लहार निवासी किशोर सिंह सेंगर (65) पुत्र हीरा सिंह ने सूचना दी थी कि शराब दुकान के सामने एक व्यक्ति मृत अवस्था में पड़ा है। मौके पर पहुंची पुलिस ने जांच के दौरान मृतक की पहचान नागेंद्र सेंगर (50) पुत्र सुरेंद्र सेंगर, निवासी ग्राम अतरौली, थाना रेंडर, जिला जालौन (उत्तर प्रदेश) के रूप में की।

प्रारंभिक जानकारी में मृतक के अत्यधिक नशे का आदी होने की बात सामने आई है। हालांकि, उसकी मौत का वास्तविक कारण अभी स्पष्ट नहीं हुआ है। पुलिस ने मर्ग क्रमांक 44/2026 के तहत भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 194 में मामला दर्ज कर शव को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के कारणों का पता चल सकेगा। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

नशामुक्ति के लिए सभी को प्रयास करने की जरूरत : कुशवाह

ग्वालियर जीएनएस

मद्य निषेध सप्ताह के समापन पर गुरुवार को महाराज बाड़ा स्थित श्री परमानंद सिंधी हिंदू धर्मशाला ट्रस्ट में कार्यक्रम आयोजित किया गया। सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन कल्याण मंत्री नारायण सिंह कुशवाह ने कहा कि नशामुक्ति के लिए समाज के प्रत्येक व्यक्ति को सार्थक प्रयास करने की जरूरत है। शराब और नशे की लत व्यक्ति के साथ पूरे परिवार का जीवन प्रभावित करती है। इसलिए लोगों को जागरूक करना जरूरी है। महात्मा गांधी की 157वीं जयंती के अवसर पर 2 से 8 अक्टूबर तक मद्य निषेध सप्ताह मनाया गया।

डीडवाना ओली क्षेत्र में खतरे की आशंका

वार्ड 43 में हादसे को न्योता दे रहा झुका बिजली का पोल

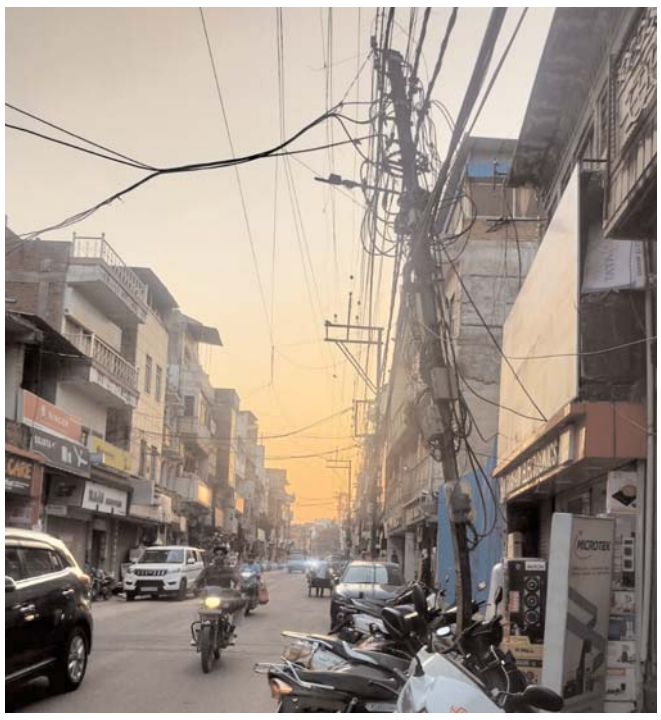

ग्वालियर जीएनएस

ग्वालियर के डीडवाना ओली स्थित वार्ड क्रमांक 43 में बिजली का एक पुराना पोल सड़क की ओर काफी झुक गया है। पोल की स्थिति देखकर कभी भी गिरने की आशंका बनी हुई है, जिससे राहगीरों और आसपास के लोगों की सुरक्षा को खतरा हो सकता है।

स्थानीय लोगों ने विद्युत विभाग से मांग की है कि किसी हादसे से पहले पोल का निरीक्षण कराकर उसे सुरक्षित किया जाए।

लायंस क्लब शिवपुरी साउथ ने किया 15 यूनिट रक्तदान

शिवपुरी जीएनएस

लायंस क्लब शिवपुरी साउथ ने सेवा सप्ताह के अंतिम दिन जिला चिकित्सालय में रक्तदान और फल वितरण कार्यक्रम आयोजित किया। क्लब सदस्यों ने 15 यूनिट रक्तदान कर जरूरतमंद मरीजों की मदद का संकल्प लिया। साथ ही अस्पताल के विभिन्न वार्डों में मरीजों को फल वितरित किए।

क्लब अध्यक्ष रवि कुमार गोयल और सचिव सुनील बिसानी ने बताया कि सेवा सप्ताह की शुरुआत 2 अक्टूबर को गांधी जयंती के अवसर पर की गई थी। सप्ताह के दौरान विभिन्न सेवा गतिविधियों के माध्यम से समाजसेवा और विश्व शांति का संदेश दिया गया। अंतिम दिन रक्तदान कर जरूरतमंद मरीजों के लिए रक्त उपलब्ध कराने की पहल की गई। सदस्यों ने भविष्य में भी नियमित रूप से रक्तदान करने का संकल्प लिया।

कार्यक्रम में रीजन चेयरपर्सन कपिल सहगल, जोन चेयरपर्सन सौरभ सांखला, कोषाध्यक्ष अर्पित बंसल, सेवा सप्ताह चेयरपर्सन कृष्ण मोहन गोयल सहित सुनील जैन, राजेंद्र शिवहरे, निशा गुप्ता, संदीप वर्मा, पवन गुप्ता, जितेंद्र सिंह राणा, पारस जैन, हेमंत नागपाल, रितेश सांखला, रवींद्र गोयल, महेश गुप्ता और दीपक गुप्ता उपस्थित रहे। मातृशक्ति की ओर से ऋतु गोयल, कोमल राणा, सोनाली सांखला, मीरा गोयल और प्रीति अग्रवाल सहित अन्य सदस्य शामिल हुए। क्लब पदाधिकारियों ने सेवा सप्ताह को सफल बनाने में सहयोग देने वाले सभी सदस्यों और सहयोगियों के प्रति आभार जताया।

ऊंची कूद और चक्का फेंक में भी खिलाड़ियों ने दिखाया दमखम

राज्य स्तरीय एथलेटिक्स में अर्णव और मनस्वी ने जीते 100 मीटर दौड़ के खिताब

शिवपुरी जीएनएस

शहर के श्रीमंत माधवराव सिंधिया खेल परिसर में बुधवार से शुरू हुई 70 वी राज्य स्तरीय 17 वर्षीय बालक-बालिका एथलेटिक्स प्रतियोगिता के दूसरे दिन गुरूवार को विभिन्न दौड़ सहित कूद व फेंक वर्ग के विभिन्न मुकाबले आयोजित किए गए। हीट स्टेज के बाद फायनल मुकाबले भी आयाजित हुए। इस दौरान मैदान पर 10 संभागों से आए खिलाडियों व कोच सहित दर्शकों ने उत्साह और अनुशासन के साथ प्रतियोगिता का लुत्फ उठाया।

जिला शिक्षा अधिकारी आकाश सिंह यादव के मार्गदर्शन और जिला क्रीड़ा अधिकारी चंद्रशेखर बेमटे के निर्देशन में विभिन्न समितियों के सदस्यों ने पूरे आयोजन से जुड़ी व्यवस्थाओं को व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराया। गुरूवार को आयोजित हुए मुकाबलों में बीआरसीसी अंगद सिंह तोमर, बीईओ मनोज निगम, समिति सदस्य एवं कोच अजय बाथम, मनोज गुप्ता, कपिल दुबे, संस्कार मिश्रा, विनय रावत, दीपक मांझी, अभिषेक सक्सेना, बसंत शर्मा, ओपी शर्मा, विवेक वर्धन शर्मा, राजू जाट, राघवेन्द्र रघुवंशी आदि का सराहनीय योगदान रहा। गुरूवार को बालक वर्ग 100 मीटर दौड़ में के खिताबी मुकाबले में भोपाल के अर्णव श्रीवास्तव ने 11.67 सेकेण्ड में दौड़ पूरी कर पहला स्थान हासिल किया जबकि उज्जैन के हर्ष माहेश्वर ने 11.72 सेकेण्ड में व ग्वालियर के धार्मिक रघुवंशी ने 11.87 सेकेण्ड में दौड़ पूरी क्रमश- दूसरा व तीसरा स्थान हासिल किया। बालिका वर्ग में उज्जैन की मनस्वी तिवारी ने 13.37 सेकेण्ड में दौड़ पूरी कर पहले पायदान पर रहीं जबकि इंदौर की स्तुति जैसवाल 13.47 सेकेण्ड के साथ दूसरे व ग्वालियर की आशी कसेरा 13.92 सेकेण्ड के साथ तीसरे स्थान पर रहीं। गुरूवार को फायनल मुकाबलों में अव्वल आने वाले खिलाडि?ों को देर शाम मेडल भी वितरित प्रदान किए गए।

1.86 मीटर ऊंची कूद लगाकर तुषार बने सिरमौर

राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के प्रचार-प्रसार प्रभारी नीरज सरैया ने बताया कि ऊंची कूद के फायनल मुकाबले में उज्जैन के तुषार ने 1.86 मीटर ऊंचाई हासिल कर पहला स्थान प्राप्त किया जबकि 1.83 मीटर के साथ नर्मदापुरम के सूर्यांश राय दूसरे व 1.80 मीटर के ग्वालियर के लक्ष्य अग्रवाल तीसरे फायदान पर रहे, वहीं बालिका वर्ग में भोपाल की श्रद्धा सोनी ने 1.49 मीटर उछलकर पहला जबकि जनजातीय कार्य विभाग की भारती सेंगर ने 1.46 मीटर के साथ दूसरा व जबलपुर की प्रतिभा भालवीय ने 1.40 मीटर के साथ तीसरा स्थान हासिल किया। गुरूवार को चक्का फेंक के भी खिताबी मुकाबले आयोजित हुए जिसमें शहडोल के रंजीत सिंह ने 28.55 मीटर चक्का फेंककर गोल्ड मेडल अपने नाम किया। जबकि रीवा के सहयोग पाठक 28.41 मीटर के साथ दूसरे व ग्वालियर के प्रशांत खटीक 28.13 मीटर के साथ तीसरे स्थान पर रहे। बालिकाओं की बात करें तो भोपाल की मीनाक्षी शिवाई ने 30.98 मीटर दूर चक्का फेंककर पहला स्थान हासिल किया। जबकि भोपाल की पीहू रघुवंशी 29.98 मीटर के साथ दूसरे जबकि इंदौर की सेजल अमलीयार 25.18 मीटर के साथ तीसरे स्थान पर रहीं।

नवदुर्गा मैया आ रही हैं

आएँगी माता मैया, तैयारी अपनी सारी है
नवदुर्गा में माँ से मिलने की, मन में आस हमारी है
सजेगी पूजा की थाली, छटा लगेगी निराली
नौ रूपों में दर्शन देने, माँ की शुभ सवारी है
फूलों से आँगन सजाएँ, चुनरी माँ को चढ़ाएँ
मन-मंदिर में दीप जलाकर, माँ को प्रेम से बुलाएँ
माँ के आने की खुशियों ने, दुनिया आज सँवारी है
नवदुर्गा में माँ से मिलने की, मन में आस हमारी है
नौ दिन माँ का नाम जपेंगे, नौ दिन दीप जलाएँगे
माँ के चरणों में शीश झुकाकर, मन की बात सुनाएँगे
जिस पर माँ की कृपा हो जाए, उसकी दुनिया प्यारी है
आएँगी माता मैया, तैयारी अपनी सारी है
आओ मिलकर माँ को बुलाएँ, जय-जयकार लगाएँ
श्रद्धा से माँ के चरणों में, अपना शीश झुकाएँ
माँ के दर्शन की अभिलाषा, सबसे बड़ी हमारी है
नवदुर्गा में माँ से मिलने की, मन में आस हमारी है
श्रद्धा माँ के चरणों में, नयन शीश झुकाए हैं
माँ की कृपा बनी रहे, चरणों की धूल बड़ी प्यारी है।

नयन किशोर श्रीवास्तव

हम सभी को अपने देश के प्रति अपनी जिम्मेदारी का हमेशा होना चाहिए एहसास - कलेक्टर

भिण्ड, जीएनएस। ÷सेवा मेरा योगदान÷ अभियान (सेवा संकल्प अभियान-2026) अंतर्गत ÷भूतपूर्व सैनिकों वीर नारियों एवं वीर माताओं हेतु जिला सैनिक कल्याण कार्यालय भिण्ड में कलेक्टर भिण्ड के मुख्य आतिथ्य में वीर गाथा एवं सैनिक सम्मान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ वंदे मातरम् गायन के साथ किया गया।

कार्यक्रम के दौरान कलेक्टर भिण्ड द्वारा पूर्व सैनिकों, वीर नारियों एवं वीर माताओं का पुष्पगुच्छ, शॉल-श्रीफल भेंटकर सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कलेक्टर ने कहा कि जो योगदान आप सब लोग देश के निर्माण में अपनी सर्विस के दौरान और सर्विस के बाद भी देते हैं, उस सकारात्मक और प्रेरणादायी दृष्टिकोण को समाज में पहचानना और सम्मानित करना ही इस कार्यक्रम का मूल उद्देश्य है। उन्होंने कहा, ÷हम सभी को अपने देश के प्रति, राष्ट्र के प्रति अपनी जिम्मेदारी का एहसास हमेशा होना चाहिए। यूनिफॉर्म में रहकर आप देश की सेवा करते हैं और उसके बाद भी अलग-अलग रूप में समाज के निर्माण में अपना योगदान देते हैं।÷ उसी विश्वास, उत्साह और भावना को सम्मानित करने के लिए आज यह कार्यक्रम रखा गया है। उन्होंने कहा कि आप सभी की जो भी समस्याएं पिछले एक वर्ष में सामने आई हैं, उनके निराकरण के लिए एक अलग व्यवस्था की गई है और हमारा प्रयास रहेगा कि शीघ्र ही उन समस्याओं का समाधान हो जाए। इस दौरान एसडीएम भिण्ड, डिप्टी कलेक्टर सहित अन्य अधिकारी, पूर्व सैनिक, वीर नारियां एवं वीर माताएं उपस्थित रहीं।

कलेक्टर की अध्यक्षता में जिला स्वास्थ्य समिति की समीक्षा बैठक का आयोजन

भिण्ड, जीएनएस। जिला कलेक्टर ने जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक में टीकाकरण कवरेज की विस्तृत समीक्षा कर टीकाकरण कार्यों में प्रगति लाने और एक सप्ताह के भीतर संबंधित पोर्टल पर डेटा अद्यतन करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि गलत या झूठे आंकड़ों की प्रविष्टि अनैतिक आचरण तथा गंभीर लापरवाही है, इसके लिए मेडिकल अधिकारियों के विरुद्ध कार्यवाही के लिए मेडिकल काउंसिल को पत्र लिखा जाएगा। उन्होंने टीकाकरण में खराब प्रदर्शन करने वाली एएनएम को नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। उन्होंने असंचारी रोगों में 30+ का विशेष कैंप लगा कर पंजीयन बढ़ाने और एक्सरे स्क्रीनिंग बढ़ाने ने निर्देश दिए। कलेक्टर ने वेक्टर जनित रोगों, राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम, शिशु मृत्यु, आयुष्मान कार्ड निर्माण की प्रगति, एनआरसी भर्ती और डिस्चार्ज दर, एनीमिया प्रबंधन, इत्यादि की भी समीक्षा की।

कलेक्टर ने स्वास्थ्य विभाग की सीएम हेल्पलाइन शिकायतों की भी समीक्षा की और 100+ दिवसों से लंबित शिकायतों को तत्काल बंद करवाने के निर्देश दिए। बैठक में जिला पंचायत सीईओ, सीएमएचओ, सिविल सर्जन, कार्यक्रम अधिकारी, बीएमओ, ब्लॉक कार्यक्रम प्रबंधक और ब्लॉक कम्युनिटी मोबलाइजर उपस्थित थे।

भिण्ड में मिशन वात्सल्य कार्यशाला : एनसीसी कैडेट्स को बाल संरक्षण कानून की जानकारी

भिण्ड, जीएनएस। कलेक्टर भिण्ड के मार्गदर्शन व जिला कार्यक्रम अधिकारी महेंद्र सिंह अंब के निर्देशन में मिशन वात्सल्य के तहत आईटीआई परिसर में प्रशिक्षण सह कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में महिला एवं बाल विकास विभाग, 30 एमपी बटालियन एनसीसी और स्थानीय शिक्षण संस्थाओं के अधिकारी व कैडेट उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के पहले चरण में बाल संरक्षण अधिकारी अजय सक्सेना ने किशोर न्याय अधिनियम और पोक्सो अधिनियम पर विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने स्पष्ट किया कि 18 वर्ष से कम आयु का हर व्यक्ति कानून में बालक माना जाता है। अधिनियम में दो श्रेणियां हैं–देखरेख व संरक्षण की जरूरतमंद बालक और विधि विरोधी बालक।

विधि विरोधी बालकों के लिए सुधारात्मक प्रक्रिया अपनाई जाती है, न कि दंडात्मक। ऐसे बालकों को बाल संप्रेक्षण गृह या विशेष गृह में संरक्षण दिया जाता है, जहां पुनर्वास के प्रयास किए जाते हैं। बाद में पुलिस चरित्र सत्यापन में बाल्यावस्था के कृत्य की जानकारी नहीं दी जाती, जिससे उनके करियर पर विपरीत प्रभाव नहीं पड़ता।

देखरेख की जरूरतमंद बालकों के लिए शिशु गृह, बालगृह और खुला आश्रय गृह संचालित हैं, जहां रहने, खाने, स्वास्थ्य और शिक्षा की व्यवस्था की जाती है।

अंतरराष्ट्रीय बालिका दिवस पर बालिका सम्मान समारोहः अंतरराष्ट्रीय बालिका दिवस 11 अक्टूबर के उपलक्ष्य में बालिका सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। प्राध्यापक दीक्षा साहू, परियोजना अधिकारी सुलक्षणा चौरसिया और रजनी करौलिया ने माहवारी स्वच्छता, पोषण और स्वास्थ्य विषयों पर जानकारी दी।

कार्यक्रम में भ्रांतियों को दूर करने और स्वस्थ रहने के तरीकों पर चर्चा की गई। सभी बालिकाओं को स्वच्छता किट प्रदान की गई। पोक्सो, किशोर न्याय अधिनियम और चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 की जानकारी भी दी गई। अंत में आयोजित क्विज में सही उत्तर देने वाली बालिकाओं को पुरस्कृत किया गया।

पाँच प्रतिष्ठानों से 2 लाख 20 हजार रुपए जुर्माने की राशि वसूली

ग्वालियर, जीएनएस। खाद्य सुरक्षा विभाग के माध्यम से खाद्य पदार्थों की सेम्पलिंग के उपरांत अमानक पाए गए खाद्य पदार्थों पर जुर्माने की कार्रवाई की गई । जुर्माने की राशि जमा न करने पर पाँच व्यवसाइयों से 2 लाख 20 हजार रुपए की जुर्माना की राशि वसूल की गई है।

कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान के निर्देश पर खाद्य विभाग एवं राजस्व विभाग के अधिकारियों ने गुरुवार को पाँच संस्थानों की जाँच कर 2 लाख 20 हजार रुपए की राशि वसूल की है। उक्त राशि खाद्य पदार्थों के सेम्पल अमानक पाए जाने पर इनके विरूद्ध दण्ड स्वरूप आरोपित की गई थी। जिन प्रतिष्ठानों से जुर्माना राशि जमा कराई गई है उनमें पंडित डेयरी राजपायगा रोड से एक लाख रुपए, श्रीराम स्वीट्स दाल बाजार पर आरोपित एक लाख रुपए, न्यू अपसरा रेस्टोरेंट नईसड़क से 50 हजार रुपए, न्यू पंजाब डेयरी दहीमंडी से 50 हजार रुपए की राशि जमा कराने के साथ ही शेष डेढ़ लाख रुपए की राशि 7 दिन में जमा कराने के निर्देश दिए गए हैं। इसके अलावा ग्वालियर सोड़ा वाटर फैक्ट्री मोतीझील से 10 हजार रुपए, मनीष डेयरी समाधिया कॉलोनी से 10 हजार रुपए की राशि जुर्माने के रूप में जमा कराई गई है।

गांधी प्राणी उद्यान ग्वालियर में धूमधाम से संपन्न हुआ वन्यप्राणी सप्ताह : प्रतियोगिताओं के विजेताओं को मिले पुरस्कार

ग्वालियर, जीएनएस। नगर निगम ग्वालियर द्वारा संचालित गांधी प्राणी उद्यान में वन्यजीवों के संरक्षण एवं उनके प्रति जनजागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी 2 से 8 अक्टूबर तक श्वन्यप्राणी सप्ताहश् का भव्य आयोजन किया गया।

सप्ताह भर चले इस आयोजन में शहर के विभिन्न स्कूलों के छात्र-छात्राओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। इस दौरान बच्चों को वन्यजीवों के बारे में जागरूक करने और उनके प्रति फैली भ्रांतियों को दूर करने के लिए चिड़ियाघर का संपूर्ण भ्रमण कराया गया। इसके अलावा, छात्र-छात्राओं की प्रतिभा को निखारने के लिए चित्रकला, क्विज (प्रश्न मंच), निबंध, बर्ड वॉचिंग और सांस्कृतिक प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया।

सप्ताह के समापन पर विजेताओं एवं प्रतिभागी बच्चों को प्रमाण-पत्र तथा पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में नगर निगम के अपर आयुक्त श्री प्रदीप तोमर, श्री मुनिष सिकरवार, प्रभारी चिड़ियाघर डॉ. उपेन्द्र सिंह यादव, चिड़ियाघर क्यूरेटर श्री गौरव परिहार सहित कई गणमान्य नागरिक और विद्यार्थी उपस्थित

रहे। चित्रकला प्रतियोगिता में प्राइमरी स्कूल 1 से 5 के छात्र प्रथम माधव शर्मा, द्वितीय आयंष सिंह, तृतीय आरूष गुप्ता तथा प्रोत्साहन नविष्का गायकवाड को मिला। मिडिल 6 से 8 तक के छात्र प्रथम दृष्टि प्रजापति, द्वितीय ईशा प्रजापति एवं तृतीय इशिता गुप्ता रहीं तथा प्रोत्साहन पुरस्कार धनीराम कुशवाहा, दिव्या को दिया गया। हायर ग्रुप कक्षा 9 से 12 तक में प्रथम अक्षरा भीम वर्मा, द्वितीय राखी पाल, तृतीय अदिति गोखले रहीं तथा प्रोत्साहन पुरस्कार हार्दिक गौड को मिला।

इसके साथ ही क्विज प्रतियोगिता में प्राइमरी स्कूल 1 से 5 तक छात्र जिसमें प्रथम आलोक कुशवाह, द्वितीय सुर्यांशी चौहान, जतिन एवं तृतीय भावना कुषवाह एवं आयुष रजक रहे। मिडिल में कक्षा 6 से 8 तक के छात्र जिसमें प्रथम रूद्र प्रताप सिंह, द्वितीय कौशल बंसल, तृतीय इशिता गुप्ता रही तथा प्रोत्साहन अर्ष मोहम्मद को मिला। हायर ग्रुप कक्षा 9 से 12 तक के छात्र जिसमें प्रथम शिवांगी चौहान, द्वितीय महक कौरव, तृतीय अंश रजक को मिला एवं प्रोत्साहन निहाल किरार को दिया गया।

साथ ही निबंध प्रतियोगिता कक्षा 6 से 8 के छात्र जिसमें प्रथम समर बंसल, द्वितीय आयुष रजक, तृतीय कृष्ण पाल को मिला। हायर ग्रुप कक्षा 9 से 12 तक के छात्र जिसमें प्रथम अब्दुल अरबाब खान, द्वितीय आर्यन पाल, तृतीय अनंजय पाण्डे को मिला। कार्यक्रम में सांस्कृतिक प्रस्तुति में प्रथम अनायता खान, चिराग, द्वितीय मन्त्रिता शर्मा, तृतीय अनंज्य पाण्डे को मिला तथा प्रोत्साहन पल्लवी एवं नैना को दिया गया।

गंदगी फैलाने वाले दुकानदारों पर 6 हजार की चालानी कार्रवाई

ग्वालियर, जीएनएस। नगर निगम ग्वालियर द्वारा ÷स्वच्छ ग्वालियर, सुंदर ग्वालियर÷ के संकल्प को साकार करने के लिए शहरभर में निरंतर स्वच्छता अभियान चलाए जा रहे हैं। इसी क्रम में नगर निगम आयुक्त श्री अभिषेक चौधरी एवं अपर आयुक्त श्री टी. प्रतीक राव के निर्देशन में निगम अमले द्वारा सार्वजनिक स्थलों एवं बाजार क्षेत्रों में विशेष सफाई अभियान के साथ-साथ गंदगी फैलाने वालों के विरुद्ध चालानी कार्रवाई भी की जा रही है। स्वास्थ्य अधिकारी ग्वालियर पूर्व श्री भीष्म पमनानी ने जानकारी देते हुए बताया कि गुरुवार को स्टेशन बजरिया क्षेत्र में विशेष स्वच्छता अभियान चलाया गया।

कार्यालय मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी जिला शिवपुरी (म.प्र.)

क्र./निविदा/2026/15732 शिवपुरी 5/10/2026

//निविदा आमंत्रण सूचना//

//मोबिलिटी सपोर्ट अन्तर्गत किराये के वाहन (वाहन भाडा) कार्य हेतु निविदा आमंत्रण//

जिला शिवपुरी की स्वास्थ्य संस्थाओं हेतु मोबिलिटी सपोर्ट अन्तर्गत किराये के वाहन (वाहन भाड़ा) कार्य हेतु निविदायें आमंत्रित की जाती है। कार्य से संबंधित विस्तृत विवरण निविदा प्रपत्र में दिये गये। निविदा प्रपत्र केवल ऑनलाईन https://mptenders.gov.in बेवसाईट से क्रय किये जा सकते है। निविदा ऑनलाइन ही नीचे दिये गये समय अनुसार प्रविष्ठ की जा सकेगी।

निविदा क्रमांक	निविदत्त कार्य का विवरण	निविदा धरोहर राशि	निविदा प्रपत्र का मूल्य
1	2	3	4
	मोबिलिटी सपोर्ट अन्तर्गत किराये के वाहन (वाहन भाड़ा) कार्य हेतु	अर्नेस्ट मनी रू. 100000 (एक लाख मात्र) ऑनलाईन जमा की जावेगी	1000/- (एक हजार रूपये)

निविदा प्रक्रिया की समय सारणी :-

क्र.	निविदा प्रक्रिया	दिनांक व समय
1	2	3
	प्री बिड बैठक दिनांक	07/10/2026 14:00 PM
	निविदा प्रपत्र ऑनलाईन क्रय प्रारंभ की तिथि	09/10/2026 10:00 AM
	ऑनलाइन निविदा सबमिट करने का अंतिम दिनांक	29/10/2026 12:00 PM
	तकनीकि दस्तावेज (हार्ड कॉपी) जमा करने का दिनांक	30/10/2026 14:00 PM
	अर्नेस्ट मनी व तकनीकि बिड खोले जाने का दिनांक	30/10/2026 15:00 PM

(डॉ. संजय ऋषिश्वर)
मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, जिला शिवपुरी म.प्र.

G-19701/26

मल्टी स्पेशियलिटी टीम ने किया 150 से अधिक मरीजों का परीक्षण

अग्रोहा धाम थीम पर सजा मेलाः निर्णायकों द्वारा 'स्वच्छ भारत अभियान' के अंतर्गत दिए गए विशेष अंक

गुना, जीएनएस।
अग्रसेन जयंती महोत्सव के अंतर्गत तृतीय दिवस प्रातः 10 बजे से अग्रसेन जनकल्याण समिति द्वारा मल्टी स्पेशियलिटी मेडिकल केम्प स्थानीय नारायणा गार्डन में आयोजित किया गया जिसमें सेल्वी हॉस्पिटल इंदौर से आई डाक्टर्स की टीम द्वारा 150 से अधिक मरीजों का परीक्षण किया गया। समाज द्वारा आयोजित शिविर में प्रमुख रूप से डॉ. अंकुश अग्रवाल (जोड़ प्रत्यारोपण सर्जन) , डॉ. सुयश अग्रवाल (केंसर सर्जन) , डॉ. अरुण भदौरिया (पेट रोग विशेषज्ञ) , डॉ. प्रतिरक्षा रघुवंशी (मूत्र रोग विशेषज्ञ) उपस्थित रहे।

आयोजकों में अग्रवाल ट्रस्ट के अध्यक्ष प्रदीप मित्तल , सचिव इंजी अनिल अग्रवाल , अग्रसेन जनकल्याण समिति के अध्यक्ष महेश अग्रवाल , उपाध्यक्ष धर्मेन्द्र अग्रवाल , सचिव नीरज अग्रेस , सहसचिव संजय बंसल , ललित अग्रवाल एवं कई अन्य सदस्य मौजूद रहे।

अगले कार्यक्रम में जयंती महोत्सव के विशेष आकर्षण का केन्द्र अग्रोहा धाम थीम पर सजा मेला रहा , जिसमें 34 प्रतिभागियों द्वारा अपनी दूकानें सजाई गईं।

अग्रवाल महिला महासभा द्वारा आयोजित मेले में बतौर मुख्य अतिथि गुना पुलिस अधीक्षक श्रीमती हितिका वासल उपस्थित रहीं एवं मुख्य निर्णायक तहसीलदार मयंक तिवारी , श्रीमती नीलिमा लाहोटी एवं श्रीमती पूनम माहेश्वरी रहीं। स्वादिष्ट व्यंजनों , आकर्षक परिधान एवं ज्वैलरी शॉप पर रात्रि 12 बजे तक ग्राहकों का तांता लगा रहा , मेले की विशेषता यह रही कि पहली बार किसी भी दूकानदार ने कोई डिस्काउंट नहीं दिया एवं किसी की भी सामग्री शेष नहीं बची। निश्चित ही मेला अन्य वर्षों से बहुत बेहतर एवं सफल रहा।मेले में निर्णायकों द्वारा हाथ से बने व्यंजनों को तरजीह दी गई एवं वे ही विजेता घोषित किए गए।

कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि श्रीमती हितिका वासल (पुलिस अधीक्षक) एवं समाज जनों द्वारा दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया जिसमें प्रमुख रूप से अग्रवाल महासभा के ,संभागीय अध्यक्ष राजेश अग्रवाल , प्रदेश सलाहकार छवि अग्रवाल , अग्रवाल ट्रस्ट के अध्यक्ष प्रदीप मित्तल कोषाध्यक्ष ओमप्रकाश सिंघल , सचिव इंजी अनिल अग्रवाल सहसचिव जुगल अग्रवाल महासभा के जिला अध्यक्ष मनोज बिंदल , अलका बिंदल , योगिता अग्रवाल , संगीता बिंदल , संगीता गर्ग , रीना अग्रवाल , सीमा मित्तल , नंदा अग्रवाल , विनीता अग्रेस , अग्रवाल महिला मंडल की अध्यक्ष श्रीमती नीलम बिंदल एवं सचिव स्वाती अग्रवाल शामिल रहे।

मेले के दौरान अन्य आयोजनों में ÷महाराजा श्री अग्रसेन जी एवं महारानी माधवी जी के स्वरूप आधारित फेन्सी ड्रेस÷ प्रतियोगिता में बच्चों मनभावन प्रस्तुति दी वहीं ÷नारियल से मारवाड़ी सेठ सेठानी बनाओ÷ प्रतियोगिता ने सभी का मन मोह लिया।

मद्य निषेध सप्ताह के समापन समारोह का गरिमामय आयोजन

शिवपुरी, जीएनएस।
सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग शिवपुरी के सहयोग से समाजसेवी संस्था मंगलम मे मद्य निषेध सप्ताह के समापन समारोह का गरिमामय आयोजन किया गया। इस विशेष कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य समाज को विशेषकर युवा पीढ़ी को नशे की लत से दूर रखना तथा उन्हें नशामुक्ति के प्रति जागरूक करना था।इस अवसर पर भाजपा जिला अध्यक्ष जसवंत जाटव, जिला महामंत्री लवलेश जैन,सांसद प्रतिनिधि राकेश गुप्ता, मंडल अध्यक्ष कृष्णा कुशवाहा भाजपा नेता विजय शर्मा,मंगलम के कोषाध्यक्ष दीपक गोयल,राजीव

श्रीवास्तव उपस्थित थे समारोह के दौरान बड़ी संख्या में युवाओं एवं आमजनों ने सहभागिता की।

कार्यक्रम के दौरान उपस्थित युवाओं भाजपा के जिला अध्यक्ष एवं अन्य अतिथियों ने नशा न करने की शपथ भी दिलाई और समाज के अन्य लोगों को इसके प्रति जागरूक करने का संकल्प दिलाते हुए शपथ दिलाई गई। इस अवसर पर भाजपा जिला अध्यक्ष जसवंत जाटव ने नशे के शारीरिक, मानसिक, आर्थिक एवं सामाजिक दुष्प्रभावों पर विस्तार से प्रकाश डाला गया। वही सांसद प्रतिनिधि राकेश गुप्ता ने ने युवाओं को समझाया कि नशा किस प्रकार उनके उज्ज्वल भविष्य तथा परिवार की खुशहाली को प्रभावित करता है।कार्यक्रम मे जिला महामंत्री लवलेश जैन ने भी अपने विचार व्यक्त किये कार्यक्रम को भाजपा नेता विजय शर्मा ने भी सम्बोधित किया। इसी कड़ी में 'सेवा संकल्प शिविर' एवं 'सेवा मेरा योगदान' अभियान के अंतर्गत दिव्यांगजनों के जीवन को सुगम व आत्मनिर्भर बनाने हेतु विशेष पहल की गई। विभाग द्वारा दिव्यांगजनों की आवश्यकता के अनुसार 144 सहायक उपकरण प्रदान किए गए। इसके साथ ही 8 दिव्यांग हितग्राहियों को यूडीआईडी कार्ड भी वितरित किए गए।

कांकेर की कवयित्री व शिक्षिका ममता साहू 'साहित्य गौरव' से विभूषित

मध्यप्रदेश के डॉ. जयकिरण शोध संस्थान ने उत्कृष्ट लेखन और निरंतर साहित्य साधना के लिए किया सम्मानित

कांकेर। साहित्य के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान और उत्कृष्ट लेखन के लिए छत्तीसगढ़ के कांकेर जिले की कवयित्री, लेखिका एवं शिक्षिका ममता साहू को 'साहित्य गौरव' से सम्मानित किया गया है। यह प्रतिष्ठित सम्मान मध्यप्रदेश के उज्जैन जिले के बड़नगर स्थित डॉ. जयकिरण शोध शिक्षण संस्थान की ओर से प्रदान किया गया है। संस्थान की ओर से जारी सम्मान पत्र में ममता साहू की उत्कृष्ट लेखनी और निरंतर साहित्य साधना को खूब सराहा गया है। सम्मान पत्र में उल्लेख किया गया कि वर्तमान समय में जब मानवता और रिश्ते हाशिए पर जा रहे हैं, ऐसे दौर में साहित्य के माध्यम से समाज निर्माण की दिशा में ममता साहू जी का योगदान अत्यंत सराहनीय है। इस गरिमामयी अवसर पर बड़नगर विधानसभा क्षेत्र के विधायक जितेन्द्र उदयसिंह पंड्या, संस्थान के निदेशक नीतेश जोशी, अध्यक्ष सनत जैन, सचिव दिलीप पंचाक्षरी और कोषाध्यक्ष हितेश सोनी ने ममता साहू को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने ममता जी के निरंतर साहित्यिक योगदान, सुदीर्घ एवं यशस्वी जीवन तथा उज्ज्वल भविष्य की मंगलकामना की। ममता साहू को 'साहित्य गौरव' सम्मान मिलने पर कांकेर के स्थानीय साहित्यकारों, प्रबुद्ध जनों व गणमान्य नागरिकों ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए उन्हें ढेर सारी बधाईयाँ और शुभकामनाएं दी हैं।

उल्लेखनीय है कि ममता साहू इसके पूर्व भी कई सम्मानों से सम्मानित हो चुकी हैं, जिनमें श्रेष्ठ रचना शिल्पी सम्मान 2026, हिंदी सेवा भारती सम्मान, वैदिक प्रकाशन अविरल वक्ता सम्मान 2025-26, नारी शक्ति सम्मान 2026, श्रमण शिक्षक सम्मान 2025, साहित्य भागीरथ सम्मान 2025, राष्ट्रीय काव्य अमृत सम्मान 2025, राष्ट्रीय काव्य प्रभा सम्मान 2025, साप्ताहिक अनमोल रत्न सम्मान, अविरल साहित्य रत्न सम्मान और रामानुज साहित्य सम्मान 2025 शामिल हैं।

आईपीएस जयदीप प्रसाद वूशु एसोसिएशन ऑफ इंडिया के बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स में निर्विरोध निर्वाचित

जबलपुर, जीएनएस।
वूशु एसोसिएशन ऑफ इंडिया की साधारण सभा एवं चुनावी बैठक 8 अक्टूबर 2026 को होटल गोडविन, मेरठ (उत्तर प्रदेश) में संपन्न हुई। बैठक में देश की मान्यता प्राप्त 45 राज्य इकाइयों के पदाधिकारियों ने सहभागिता की। मध्य प्रदेश वूशु संघ की ओर से अध्यक्ष श्री जयदीप प्रसाद (ढ्ढक्क्र) एवं सचिव श्री मनोज गुप्ता ने प्रतिनिधित्व किया।

चुनावी बैठक में मध्य प्रदेश वूशु संघ के अध्यक्ष एवं वरिष्ठ ढ्ढक्क्र अधिकारी जयदीप प्रसाद को वूशु एसोसिएशन ऑफ इंडिया के बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स के सदस्य के रूप

में निर्विरोध चुना गया। उनके चयन से मध्य प्रदेश को राष्ट्रीय वूशु संगठन में महत्वपूर्ण प्रतिनिधित्व प्राप्त हुआ है। बैठक में श्री भूपेंद्र सिंह बाजवा को वूशु एसोसिएशन ऑफ इंडिया का अध्यक्ष तथा श्री सुहेल अहमद को सचिव सहित कुल 14 पदाधिकारियों की कार्यकारिणी को निर्विरोध चुना गया। नई कार्यकारिणी आगामी चार वर्षों तक वूशु खेल के विकास एवं खिलाड़ियों के हित में कार्य करेगी।

साधारण सभा की बैठक में भारत में कॉमनवेल्थ एवं एशियन वूशु चैंपियनशिप के आयोजन, खिलाड़ियों के प्रशिक्षण, प्रतियोगिताओं के विस्तार तथा वूशु खेल के विकास से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत चर्चा हुई और आवश्यक निर्णय लिए गए। श्री जयदीप प्रसाद (ढ्ढक्क्र) की राष्ट्रीय कार्यकारिणी में महत्वपूर्ण जिम्मेदारी मिलने पर मध्य प्रदेश के वूशु खिलाड़ियों, प्रशिक्षकों एवं खेल पदाधिकारियों में उत्साह की लहर है। उनके राष्ट्रीय स्तर पर चयन को प्रदेश के वूशु विकास के लिए महत्वपूर्ण उपलब्धि माना जा रहा है।

द ग्रैंड कैसल रिसॉर्ट में भारतीय जनता पार्टी जिला ग्वालियर द्वारा आयोजित 'वीरगाथा एवं सैनिक सम्मान समारोह' में सहभागिता की सुधीर गुप्ता वाइस चेयरमैन ग्वालियर विकास प्राधिकरण द्वारा।

जुआ के फड़ पर पुलिस ने दी दविश

डबरा, जीएनएस।
मुखबिर तंत्र कि सूचना पर से पिछोर थाना क्षेत्र कि बड़ी नहर पिछोर रोड़ पर चल रहा था जुआ का फड़।

पिछोर थाना प्रभारी शिवम सिंह राजावत ने थाना पुलिस बल के साथ दी दविश, जुआ के फड़ से 05 बाइको को मौके से किया जप्त।

04 बाईकों सहित 01 स्कूटी को पुलिस ने किया जप्त,

पुलिस ने नपा. कर्मचारियों के सहयोग से जप्त बाईकों को रखवाया थाना परिसर में। पुलिस को देख जुआ मौके से हुए भाग खड़े,

फड़ पर अचानक हुई कार्यवाही से जुआड़ियों में मचा हड़काम।

कार्यवाही कि विस्तृत जानकारी आना अभी बाकी, एसडीओपी सौरभ कुमार के आदेश पर कार्यवाही आगे भी जारी।

हिन्दी दैनिक
श्रमसाधना
आपकी दुःख की घड़ी में
श्रमसाधना सदैव आपके साथ है
उठावनी/रस्म पगड़ी
का प्रकाशन
निःशुल्क
सम्पर्क करें
ग्वालियर
0751-2625029
9074257600
शिवपुरी
07492-232149
8251071286
E-mail : shramsadhnagwl@gmail.com

सफलता की कहानीः फूलों ने कैसे बदल दी गजराज की जिंदगी, कमा रहे हैं लाखों रुपए

ग्वालियर, जीएनएस।

सही जानकारी और तकनीक से उन्नत खेती की जाए तो फायदा ही फायदा होता है। जिले के गजराज सिंह ने आत्मा परियोजना के माध्यम से उन्नत खेती की जानकारी ली और शुरू किया फूलों की खेती का काम । सही दिशा में उठाया हुआ कदम उसे और उसके परिवार को उन्नति की ओर ले गया है। गजराज का कहना है कि सही जानकारी और सही तकनीक का उपयोग किया जाए तो खेती को लाभ का धंधा बनाया जा सकता है। जिले के ग्राम भयापुरा निवासी किसान श्री गजराज सिंह कुशवाह ने आत्मा परियोजना के माध्यम से प्रशिक्षण और तकनीकी मार्गदर्शन लेकर खेती को लाभ का जरिया बनाया है। कभी पिता को कर्ज में देखकर चिंतित रहने वाले गजराज सिंह ने उन्नत खेती का रास्ता अपनाया और आज गुलाब की खेती से प्रति हेक्टेयर पाँच लाख रुपए से अधिक की आय अर्जित कर रहे हैं।

श्री गजराज सिंह बताते हैं कि उन्होंने बचपन से अपने पिता श्री रमाजीलाल कुशवाह को खेती करते और कर्ज की चिंता से जूझते देखा। पिता का हाथ बंटाते-बंटाते उन्हें खेती का अनुभव तो मिला, लेकिन मन में हमेशा यह सवाल रहता था कि क्या उनका जीवन भी कर्ज में ही गुजर जाएगा और क्या उनका परिवार सुखी जीवन नहीं जी पाएगा। इन्हीं सवालों के जवाब तलाशते हुए वे कार्यालय आत्मा, किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग, जिला ग्वालियर पहुंचे। अधिकारियों से अपनी समस्या साझा करने पर उन्हें उन्नत खेती अपनाने और बेहतर लाभ प्राप्त करने के लिए प्रोत्साहित किया गया। इसके बाद उन्होंने आत्मा से प्रशिक्षण प्राप्त किया और खेती में नवाचार की दिशा में आगे बढ़ना शुरू किया।

गजराज सिंह ने शुरुआत में पारंपरिक रूप से बोई जाने वाली सरसों, चना और गेहूं के स्थान पर सब्जियों की खेती शुरू की। उन्होंने मेथी और मिर्च जैसी नगदी फसलों की खेती की, जिससे उन्हें अच्छा लाभ प्राप्त हुआ। इसके बाद उन्होंने आलू, बैंगन और पपीता जैसी फसलों का उत्पादन भी शुरू किया।

आत्मा के बीटीएम श्री उदय आर्य और एटीएम श्री आर. के. सिंह ने उन्हें लहसुन की उन्नत खेती की तकनीक भी बताई। तकनीकी मार्गदर्शन के आधार पर उन्होंने लहसुन की खेती की, जिससे उन्हें एक बीघा में लगभग पचास हजार रुपए का लाभ हुआ। इस सफलता से उनका आत्मविश्वास बढ़ा और उन्हें महसूस हुआ कि वैज्ञानिक एवं उन्नत तरीके से खेती को लाभ का प्रभावी साधन बनाया जा सकता है। इसके बाद उन्होंने आत्मा के अधिकारियों के समक्ष और अधिक तकनीकी खेती सीखने की इच्छा व्यक्त की।

अधिकारियों ने उन्हें विभिन्न स्थानों का भ्रमण कराया, जहां उन्होंने अलग-अलग कृषि गतिविधियों के साथ गुलाब की खेती की तकनीक भी सीखी। प्रशिक्षण और भ्रमण से मिले अनुभव के आधार पर उन्होंने अपने खेत में गुलाब की खेती शुरू की। आज गुलाब की खेती से उन्हें प्रति हेक्टेयर पाँच लाख रुपए से अधिक का लाभ प्राप्त हो रहा है। उनकी सफलता से परिवार की आर्थिक स्थिति बेहतर हुई है और उनके बच्चे भी अच्छी शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। श्री गजराज सिंह के पास कुल 8.80 हेक्टेयर भूमि है, जिसमें वे मिर्च, बैंगन, मेथी, आलू, पपीता और गुलाब सहित विभिन्न फसलों का उत्पादन कर रहे हैं।

उन्नत एवं नवाचार आधारित खेती के लिए आत्मा परियोजना द्वारा श्री गजराज सिंह को जिला स्तरीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया। उन्हें पुरस्कार स्वरूप 25 हजार रुपए की राशि एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया। इस सम्मान से उत्साहित गजराज सिंह ने आत्मा परियोजना के अधिकारियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि प्रशिक्षण, तकनीकी मार्गदर्शन और प्रोत्साहन ने उन्हें खेती को नई दृष्टि से देखने का अवसर दिया। आज गजराज सिंह की कहानी यह बताती है कि उन्नत तकनीक, प्रशिक्षण और खेती में विविधीकरण को अपनाकर किसान पारंपरिक खेती से आगे बढ़कर बेहतर आमदनी का मार्ग तैयार कर सकते हैं।

वासुपूज्य पंचायती महिला मंडल ग्वालियर का शपथ ग्रहण एवं सम्मान समारोह हुआ आयोजित

वासुपूज्य महिला मंडल की महिलाओं ने ली धार्मिक संस्कार, समर्पण ओर समाजसेवा की शपथ।

ग्वालियर, जीएनएस।

किला गेट हलवाटा खाना स्थित श्री वासुपूज्य पंचायती महिला मंडल ग्वालियर के तत्वाधान में वासुपूज्य महिला मंडल का शपथ ग्रहण एवं सम्मान समारोह कार्यक्रम आज समयसार विद्या निकेतन में भव्यता के साथ आयोजित किया गया। जिसमे महिलाओं ने धार्मिक नैतिक संस्कार, समर्पण एवं समाजसेवा की विधिपूर्वक शपथ ग्रहण की गई।

जैन समाज के प्रवक्ता सचिन जैन ने बताया कि कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पंडित महेशचन्द्र जैन थे। विशिष्ट अतिथि मंदिर समिति के अध्यक्ष सतीशचंद्र जैन ठेकेदार, विद्या निकेतन के संचालक अंकुर शास्त्री, मंदिर के मंत्री नेमीचंद जैन ओर कोषाध्यक्ष सुरेंद्र जैन मंच पर विशेष रूप से मौजूद थे। शपथ का शुभारंभ मंगलाचरण एवं स्वागत नृत्य के साथ हुआ।

जैन समाज के प्रवक्ता सचिन जैन ने बताया कि कार्यक्रम की शुरुवात मंगलाचरण एवं स्वागत कु. समिका जैन ओर कु. भव्या जैन ने नृत्य के साथ किया। वही संस्था का परिचय संस्था की संघरक्षक कविता जैन ने प्रस्तुता किया। वही स्वागत भाषण नवीन अध्यक्ष अर्चना जैन ने प्रस्तुता किया। वही अतिथियों का स्वागत दुपट्टा उड़ा कर महिलाओं ने किया। संचालन गौरी जैन एवं आभार व्यक्त उपाध्यक्ष कुमकुम जैन ने माना। पूर्व अध्यक्ष मीना जैन का सम्मान नवीन अध्यक्ष अर्चना जैन ने किया। शपथ अधिकारी संस्था की संघरक्षक श्रीमती कविता जैन ने संस्था की नवीन अध्यक्ष श्रीमती अर्चना जैन, संयोजक मीना जैन, मंत्री रितु जैन, उपाध्यक्ष सुनीता जैन, रुक्मणी जैन एवं कुमकुम जैन, कोषाध्यक्ष कंचना जैन एवं रुचि जैन, सहमंत्री प्रियंका जैन के साथ कार्यकारिणी सदस्य ममता जैन, रजनी जैन, रूबी जैन, रेखा जैन एवं अंजलि जैन ने विधि पूर्वक शपथ ग्रहण की।

बीएमएस से संबद्ध डब्ल्यूजेआई की एआई कार्यशाला में 16 राज्यों के पत्रकारों ने सीखी नई तकनीकें

नई दिल्ली, जीएनएस।

वर्किंग जर्नलिस्ट्स ऑफ इंडिया (डब्ल्यूजेआई) की ओर से इंडिया हैबिटेट सेंटर में पत्रकारों के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) पर कार्यशाला आयोजित की गई। इसमें 16 राज्यों के पत्रकार ऑनलाइन माध्यम से जुड़े, जबकि दिल्ली के पत्रकारों ने प्रत्यक्ष रूप से हिस्सा लिया। कार्यशाला में पत्रकारिता में एआई के उपयोग, संभावनाओं, तकनीकी साधनों और इससे जुड़ी चुनौतियों पर चर्चा की गई। मुख्य अतिथि प्रोफेसर डॉ. के.जी. सुरेश ने कहा कि एआई समाचारों के लिए शोध और जानकारी जुटाने, सामग्री तैयार करने, आंकड़ों के विश्लेषण और अनुवाद सहित कई मीडिया कार्यों में उपयोगी साबित हो सकता है। उन्होंने एआई से तैयार सामग्री को बिना सत्यापन के प्रकाशित करने से बचने और मानवीय निगरानी बनाए रखने पर जोर दिया।

एआई विशेषज्ञ तीर्थंकर सरकार और अविनाश सिंह ने पत्रकारों को विभिन्न एआई आधारित साधनों के व्यावहारिक इस्तेमाल की जानकारी दी। प्रशिक्षण में समाचार संकलन, शोध, लेखन, संपादन, तथ्य-जांच और डिजिटल सामग्री तैयार करने में एआई के उपयोग के तरीके बताए गए। वक्ताओं ने कहा कि एआई पत्रकार का विकल्प नहीं है, बल्कि पत्रकारिता को अधिक प्रभावी बनाने वाला तकनीकी माध्यम है। इसके इस्तेमाल के साथ तथ्यों की पुष्टि, संपादकीय विवेक और मानवीय संपादन को प्राथमिकता देना जरूरी है।

डब्ल्यूजेआई भारतीय मजदूर संघ (बीएमएस) से संबद्ध पत्रकार संगठन है। बीएमएस देश के प्रमुख श्रमिक संगठनों में शामिल है और विभिन्न उद्योगों एवं कार्यक्षेत्रों के कामगारों से जुड़े अनेक संगठन इससे संबद्ध हैं। डब्ल्यूजेआई इसी व्यापक संगठनात्मक ढांचे के तहत पत्रकारों के पेशेवर और कार्यस्थल संबंधी मुद्दों के साथ मीडिया क्षेत्र में बदलती तकनीक और कार्यप्रणाली से जुड़े विषयों पर भी काम करता है। संगठन की ओर से पत्रकारों के कौशल विकास और नई तकनीकों की जानकारी देने के लिए समय-समय पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। कार्यशाला में डब्ल्यूजेआई के राष्ट्रीय अध्यक्ष संजय उपाध्याय, वरिष्ठ उपाध्यक्ष संजय सक्सेना, दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष संदीप शर्मा, महासचिव देवेंद्र पवार, उपाध्यक्ष ईश मल्लिक, धर्मेंद्र भदौरिया, दिल्ली प्रदेश उपाध्यक्ष स्वतंत्र सिंह भुल्लर, प्रदेश मंत्री महेश ढौंढियाल व दीप शर्मा, जितेंद्र दिवाकर और संजीव चौहान सहित अन्य पदाधिकारी और पत्रकार मौजूद रहे। कार्यशाला का आयोजन राष्ट्रीय महासचिव नरेंद्र भंडारी के मार्गदर्शन में वरिष्ठ उपाध्यक्ष संजय सक्सेना ने किया।

कम जलकर वसूली पर उपयंत्रियों को मिले नोटिस

ग्वालियर, जीएनएस।

जलकर वसूली में दिलचस्पी नहीं लेने वाले 4 उपयंत्रियों को कार्यपालन यंत्री श्री प्रवीण दीक्षित ने नोटिस जारी किए हैं। नगर निगम आयुक्त श्री अभिषेक चौधरी ने जलकर वसूली को बढाने के निर्देश दिए हैं। साथ ही जो उपयंत्री जलकर वसूली में लापरवाही बरत रहे हैं उन पर कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं। नगर निगम आयुक्त के निर्देशानुसार कार्यपालन यंत्री श्री प्रवीण दीक्षित ने दक्षिण विधानसभा में जलकर वसूली की समीक्षा की। समीक्षा के दौरान उपयंत्री श्री महेंद्र सूर्या द्वारा वार्ड क्रमांक 54 में तय लक्ष्य के अनुरूप केवल 47 प्रतिशत वसूली की गई, साथ ही नवीन नल कनेक्शन भी नहीं कराए गए। इसी प्रकार उपयंत्री श्री कपिल कुषवाह वार्ड द्वारा वार्ड क्रमांक 55 में जलकर वसूली बेहद कम की गई है, इसी प्रकार उपयंत्री श्री सूर्य प्रताप सिंह के द्वारा वार्ड क्रमांक 50 एवं 52 में उपयंत्री श्री आनंद कुषवाह द्वारा वार्ड 51 में कम जलकर वसूली की गई है। इसके चलते इन चारों उपयंत्रियों को कार्यपालन यंत्री श्री प्रवीण दीक्षित ने कारण बताओं नोटिस जारी किया है।

स्वामित्व अधिकार अभिलेख पंजीयन अधिनियम के संबंध में कलेक्टर ने ली बैठक

ग्वालियर। स्वामित्व अधिकार अभिलेख पंजीयन अधिनियम के प्रभावी क्रियान्वयन के लिये कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान ने अनुविभागीय अधिकारी राजस्व, तहसीलदार, रेवेन्यू इंस्पेक्टर और पटवारियों की बैठक हुई। कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान ने गुरुवार को शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय शिक्षानगर के सभागार में राजस्व विभाग के अधिकारियों के साथ बैठक कर स्वामित्व अधिकार अभिलेख पंजीयन अभियान के प्रभावी क्रियान्वयन के संबंध में विस्तार से चर्चा की।

कहानी बदलाव की : 5 लाख के लोन से दोना-पत्तल मैन्युफैक्चरिंग शुरू कर इंद्रपाल सिंह बने आत्मनिर्भर

रोजगार की तलाश छोड़ खुद का उद्योग लगाकर स्थानीय युवाओं के लिए बने प्रेरणास्त्रोत

शिवपुरी, जीएनएस।

स्वरोजगार स्थापित कर आत्मनिर्भर बनने का सपना देखने वाले ग्रामीण युवाओं के लिए शासन की योजनाएं संबल बन रही हैं। शिवपुरी जिले की तहसील करैरा के ग्राम बरौदी निवासी श्री इंद्रपाल सिंह लोधी की कहानी इस बात का प्रत्यक्ष उदाहरण है। सीमित संसाधनों और आर्थिक चुनौतियों के बीच खुद का व्यवसाय शुरू करने की चाह रखने वाले इंद्रपाल ने शासकीय योजना का लाभ उठाकर न केवल अपनी किस्मत बदली, बल्कि समाज के सामने स्वावलंबन का एक नया उदाहरण भी पेश किया।

इंद्रपाल सिंह लोधी को जब जिला व्यापार एवं उद्योग केंद्र शिवपुरी के माध्यम से केंद्र शासन की जनकल्याणकारी %प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम% (क्क्स्ध्तक्क) योजना की जानकारी मिली, तो उन्होंने दोना-पत्तल मैन्युफैक्चरिंग यूनिट लगाने का मन बनाया। योजना के तहत उनका आवेदन स्वीकृत हुआ और उन्हें व्यवसाय शुरू करने के लिए ?5 लाख की राशि स्वीकृत की गई। इसके साथ ही शासन की ओर से उन्हें 35 प्रतिशत की आकर्षक सब्सिडी (अनुदान) का लाभ भी मिला, जिससे वित्तीय भार काफी कम हो गया। दोना-पत्तल मैन्युफैक्चरिंग से प्रतिमाह ?40 हजार की आमदनी

स्वीकृत ऋण और अनुदान राशि की मदद से इंद्रपाल ने आधुनिक मशीनरी स्थापित कर दोना-पत्तल निर्माण कार्य प्रारंभ किया। अपनी कड़ी मेहनत, गुणवत्ता और बाजार में सही मांग के चलते उनका यह मैन्युफैक्चरिंग व्यवसाय तेजी से चल पड़ा। आज वे इस व्यवसाय से प्रति माह लगभग ?40 हजार की सम्मानजनक शुद्ध आय प्राप्त कर रहे हैं, जिससे उनके परिवार का जीवन स्तर बेहतर हुआ है और आर्थिक तंगी पूरी तरह दूर हो गई है।

स्वावलंबन की मिसाल बन युवाओं को दे रहे प्रेरणा

कभी रोजगार के लिए सीमित विकल्पों से जूझने वाले इंद्रपाल सिंह लोधी आज खुद के सफल उद्यमी बनकर क्षेत्र के अन्य युवाओं के लिए प्रेरणास्त्रोत बन चुके हैं। वे न केवल अपने परिवार को आर्थिक मजबूती दे रहे हैं, बल्कि स्थानीय स्तर पर मांग पूरी कर ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी गति दे रहे हैं। उनकी इस सफलता को देखकर गाँव के अन्य युवा भी शासकीय योजनाओं से जुड़कर स्वरोजगार अपनाने के लिए प्रेरित हो रहे हैं। इंद्रपाल सिंह लोधी कहते हैं कि प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम ने उनके सपनों को नए पंख दिए हैं। वे आज अपने आत्मनिर्भर जीवन से बेहद खुश हैं। इस अवसर पर उन्होंने देश के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी तथा जिला व्यापार एवं उद्योग केंद्र शिवपुरी के प्रति हृदय से आभार एवं धन्यवाद प्रकट किया है।

ऑपरेशन ईगल के तहत थाना झांसीरोड पुलिस की कार्यवाही

नीड़म पुल के नीचे कार में वारदात करने की नियत से बैठे एक बदमाश को पकड़कर उससे एक देशी पिस्टल व 02 जिंदा राउण्ड किये बरामद

ग्वालियर, जीएनएस।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ग्वालियर श्री धर्मवीर सिंह (भापुसे) के निर्देश पर ग्वालियर पुलिस द्वारा ऑपरेशन ईगल के तहत अवैध हथियार रखने व खरीद फरोख्त करने वालों के खिलाफ अभियान चलाकर प्रभावी कार्यवाही की जा रही है। इसी तारतम्य में दिनांक 08/09.10.2026 की दरमियानी रात को रात्रि गस्त के दौरान थाना झॉसीरोड़ पुलिस को जरिए मुखबिर सूचना प्राप्त हुई कि एक ग्रे रंग की कार में एक व्यक्ति नशे जैसी हालत में अपने पास पिस्टल रखे हुए किसी वारदात की फिराक नीडम पुल के नीचे कार में बैठा है। उक्त सूचना से वरिष्ठ अधिकारियों को अवगत कराया गया। जिस पर से अति. पुलिस अधीक्षक(पूर्व) डॉ0 शिवेश सिंह बघेल द्वारा थाना झॉसीरोड़ पुलिस को मुखबिर सूचना की तस्दीक कर कार्यवाही करने हेतु निर्देशित किया।

वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशानुसार सीएसपी विश्वविद्यालय श्री रवि भदौरिया के कुशल मार्गदर्शन में थाना प्रभारी झांसीरोड निरीक्षक शक्ति सिंह यादव के द्वारा थाना बल की टीम को मुखबिर के बताये स्थान पर भेजा गया। उक्त सूचना पर से पुलिस ने मुखबिर के बताये स्थान नीडम पुल के पास जाकर देखा तो नीडम पुल के नीचे एक ग्रे रंग की कार खड़ी हुई दिखी, पुलिस टीम ने कार के नजदीक जाकर देखा तो कार में एक व्यक्ति बैठा हुआ मिला। पुलिस द्वारा उक्त व्यक्ति को पकडकर तलाशी ली गई तो उसकी कमर में दाहिनी तरफ एक देशी पिस्टल खुर्सी हुई मिली, पिस्टल की मैग्जीन को निकालकर देखा तो उसमें दो जिन्दा राउण्ड लगे हुए मिले। उक्त व्यक्ति से नाम पता पूछने पर उसने अपना नाम आदित्य पाराशर पुत्र सतीश पाराशर उम्र 23 साल निवासी 22/8 शान्तिविहार दर्पण कॉलौनी ठाटीपुर ग्वालियर का होना बताया।

उक्त व्यक्ति का यह कृत्य धारा 25,27 आर्म्स एक्ट के तहत दण्डनीय पाया जाने से आरोपी के कब्जे से एक देशी पिस्टल, 02 जिंदा राउंड, एक ग्रे रंग की स्विफ्ट डिजायर कार क्र0-एमपी07-सीएच-9783 को विधिवत जप्त किया जाकर आरोपी के खिलाफ थाना झॉसीरोड़ में अप0क्र0- 332/26 धारा 25,27 आर्म्स एक्ट का पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। पुलिस द्वारा आरोपी से अवैध देशी पिस्टल के संबंध में विस्तृत पूछताछ की जा रही है। उक्त आरोपी आदतन अपराधी है जिसके पूर्व में 09 अपराध अलग-अलग थानों पर दर्ज हैं एवं आरोपी थाना विश्वविद्यालय के अपराध में कुछ दिन पूर्व ही जमानत पर जेल से बाहर आया है।

गिरफ्तार आरोपी:- आदित्य पाराशर पुत्र सतीश पाराशर उम्र 23 साल निवासी 22/8 शान्तिविहार दर्पण कॉलौनी ठाटीपुर ग्वालियर।

जप्त मशरूका:- एक देशी पिस्टल, 02 जिन्दा राउण्ड, एक स्विफ्ट डिजायर कार क्र0-एमपी07-सीएच-9783 की जप्त।

सराहनीय भूमिका:- थाना प्रभारी झांसीरोड निरीक्षक शक्ति सिहं यादव, प्र.आर0 प्रताप सिंह, धीरज प्रजापति, आरक्षक नीरज यादव, श्याम जाट, अंगद यादव, आर0 चालक नीरज की सराहनीय भूमिका रही।

अंशुल अहिरवार की संदिग्ध मौत का मामला

आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग को लेकर परिजनों ने आरोन थाने के सामने किया चक्काजाम

गुना, जीएनएस।

जिले की आरोन तहसील अंतर्गत ग्राम बामूरिया निवासी अंशुल अहिरवार की संदिग्ध परिस्थितियों में कुएं में डूबने से हुई मौत के मामले ने तूल पकड़ लिया है। घटना से नाराज और आक्रोशित परिजनों ने शुक्रवार को आरोन थाने के मुख्य द्वार के सामने सड़क पर बैठकर जोरदार प्रदर्शन करते हुए चक्काजाम कर दिया। परिजनों ने मामले को हादसा न मानकर हत्या की आशंका जताई है और नामजद आरोपियों की तत्काल गिरफ्तारी की मांग की है।

हादसा नहीं, साजिश के तहत हत्या का आरोप

थाने के सामने परिजनों द्वारा किए गए इस आकस्मिक चक्काजाम के कारण मुख्य मार्ग पर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं और देखते ही देखते मौके पर भारी संख्या में लोगों की भीड़ एकत्र हो गई। प्रदर्शन कर रहे मृतक के परिजनों ने घटनाक्रम को लेकर बेहद गंभीर सवाल खड़े किए हैं। परिजनों का स्पष्ट आरोप है कि अंशुल की मौत महज कोई दुर्घटना नहीं है, बल्कि सोची-समझी साजिश के तहत उसकी हत्या की गई है और शव को कुएं में फेंक दिया गया है। इसी आशंका के आधार पर परिजन दोषियों के खिलाफ पुलिस में शिकायत दर्ज कर उनकी तुरंत गिरफ्तारी पर अड़े हुए हैं।

निष्पक्ष जांच और निष्पक्ष खुलासे की मांग: चक्काजाम की सूचना मिलते ही पुलिस बल मौके पर पहुंचा और परिजनों को समझा-बुझाकर रास्ता खुलवाने का प्रयास किया। हालांकि, परिजन मामले की निष्पक्ष एवं पारदर्शी जांच कराने तथा मौत की वास्तविक परिस्थितियों का खुलासा करने की मांग दोहराते रहे। परिजनों का कहना है कि जब तक पुलिस दोषियों पर सख्त कार्रवाई नहीं करती, वे शांत नहीं बैठेंगे।

पुलिस जांच पर टिकी सभी की निगाहें: इस पूरे घटनाक्रम के बाद अब सभी की निगाहें पुलिस प्रशासन की जांच पर टिक गई हैं। पुलिस अधिकारियों ने परिजनों को आश्वासन दिया है कि मामले की हर पहलू से बारीकी से जांच की जाएगी और पोस्टमार्टम रिपोर्ट व जांच में सामने आए साक्ष्यों के आधार पर वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। पुलिस की निष्पक्ष जांच के बाद ही मौत के असली कारणों और घटना से जुड़े तथ्यों का पर्दाफाश हो सकेगा।

वीपीआरपी-जीपीडीपी एकीकरण के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए जिला स्तरीय समन्वय समिति गठित

मुरैना, जीएनएस।

मुरैना जिले में वीपीआरपी-जीपीडीपी एकीकरण की प्रक्रिया को प्रभावी एवं सुचारु रूप से संचालित करने के उद्देश्य से जिला स्तरीय समन्वय समिति का गठन किया गया है। कलेक्टर एवं मिशन संचालक श्री लोकेश कुमार जांगिड़ की अध्यक्षता में गठित इस समिति में विभिन्न विभागों के जिला स्तरीय अधिकारियों तथा संबंधित संस्थाओं के प्रतिनिधियों को शामिल किया गया है।

जारी आदेश के अनुसार, मध्यप्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के राज्य कार्यालय से प्राप्त निर्देशों के अनुपालन में समिति का गठन किया गया है। समिति का प्रमुख उद्देश्य संबंधित विभागों के मध्य प्रभावी समन्वय स्थापित करना तथा वीपीआरपी-जीपीडीपी एकीकरण की प्रक्रिया को व्यवस्थित एवं परिणामोन्मुखी ढंग से आगे बढ़ाना है। गठित समिति में कलेक्टर, जिला मुरैना को अध्यक्ष तथा मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला पंचायत मुरैना को सचिव नियुक्त किया गया है। समिति में जिला परियोजना प्रबंधक, मनरेगा कार्यक्रम अधिकारी तथा कृषि एवं किसान कल्याण, पशुपालन, उद्यानिकी, मत्स्य पालन, महिला एवं बाल विकास, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, शिक्षा, जल संसाधन, सामाजिक न्याय, जनजातीय कार्य और सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम (एमएसएमई)/उद्योग विभाग के जिला स्तरीय अधिकारियों को सदस्य बनाया गया है। इसके अतिरिक्त, प्रेरणा एवं महिला शक्ति संकुल स्तरीय संगठनों के अध्यक्ष एवं सचिव को भी समिति में शामिल किया गया है। इससे विभिन्न विभागों के बीच समन्वय को सुदृढ़ करने के साथ ही योजनाओं के निर्माण एवं क्रियान्वयन में सामुदायिक सहभागिता सुनिश्चित करने में मदद मिलेगी।

नरवाई का उचित प्रबंधन कर बढ़ाएं मिट्टी की उर्वरता, पर्यावरण संरक्षण में दें योगदान

मुरैना, जीएनएस।

फसल कटाई के बाद खेतों में बचने वाले फसल अवशेषों (नरवाई) को जलाने के स्थान पर उनका वैज्ञानिक प्रबंधन अपनाकर मिट्टी की उर्वरता बढ़ाने के साथ पर्यावरण संरक्षण में भी महत्वपूर्ण योगदान दिया जा सकता है। नरवाई जलाने से वायु प्रदूषण बढ़ता है तथा मिट्टी में मौजूद लाभकारी सूक्ष्म जीवों को नुकसान पहुंचता है। इसे दृष्टिगत रखते हुए किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग, जिला मुरैना ने किसानों से नरवाई नहीं जलाने और आधुनिक कृषि यंत्रों एवं तकनीकों के माध्यम से फसल अवशेषों का समुचित प्रबंधन करने की अपील की है।

विभाग के अनुसार, नरवाई प्रबंधन के लिए सुपर सीडर, स्ट्रॉ मैनेजमेंट सिस्टम (एसएमएस), स्ट्रॉ रीपर, बेलर, जैविक अपघटक (डिकंपोजर), मल्चर, श्रेडर, रोटावेटर तथा मल्चिंग जैसी तकनीकों का उपयोग किया जा सकता है। सुपर सीडर के माध्यम से फसल अवशेषों को खेत में मिलाते हुए सीधे गेहूं की बुवाई की जा सकती है। वहीं, स्ट्रॉ मैनेजमेंट सिस्टम की सहायता से कंबाइन हार्वेस्टर द्वारा कटाई के दौरान फसल अवशेषों को छोटे-छोटे टुकड़ों में काटकर खेत में समान रूप से फैलाया जा सकता है। स्ट्रॉ रीपर से भूसा तैयार करने तथा बेलर की मदद से फसल अवशेषों की गठानें बनाकर उनका संग्रहण एवं उपयोग किया जा सकता है। मल्चर, श्रेडर और रोटावेटर की सहायता से भी नरवाई को खेत में मिलाकर उसका उपयोग किया जा सकता है। इसी प्रकार जैविक अपघटक के उपयोग से फसल अवशेषों को विघटित कर जैविक खाद में परिवर्तित किया जा सकता है। मल्चिंग तकनीक के अंतर्गत खेत की सतह पर फसल अवशेषों का उपयोग करने से मिट्टी में नमी बनाए रखने तथा खरपतवारों की वृद्धि नियंत्रित करने में सहायता मिलती है। नरवाई का वैज्ञानिक प्रबंधन करने से मिट्टी में जैविक पदार्थों की मात्रा बढ़ती है और भूमि की उर्वरता एवं मिट्टी का स्वास्थ्य बेहतर बना रहता है। इसके साथ ही नमी संरक्षण, वायु प्रदूषण में कमी तथा कृषि संसाधनों के बेहतर उपयोग को भी बढ़ावा मिलता है। इससे कृषि उत्पादन की निरंतरता बनाए रखने और टिकाऊ खेती को प्रोत्साहित करने में मदद मिलती है किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग ने किसानों से अपील की है कि वे फसल अवशेषों को जलाने के बजाय उनका उपयोग जैविक खाद बनाने तथा खेत की उर्वरता बढ़ाने में करें। नरवाई का वैज्ञानिक प्रबंधन अपनाकर मिट्टी की सेहत सुरक्षित रखें और पर्यावरण संरक्षण में अपनी सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित करें।

आत्मा योजना के अंतर्गत सर्वश्रेष्ठ कृषक पुरस्कार के लिए 25 अक्टूबर तक आवेदन आमंत्रित

मुरैना, जीएनएस।

किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग की सबमिशन ऑन एग्रीकल्चर एक्सटेंशन एंड टेक्नोलॉजी (आत्मा) योजना के अंतर्गत सर्वश्रेष्ठ कृषक पुरस्कार के लिए जिले के किसानों से आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। इच्छुक किसान 25 अक्टूबर 2026 तक अपने विकासखंड के संबंधित कार्यालयों में निर्धारित प्रारूप में आवेदन प्रस्तुत कर सकते हैं।

परियोजना संचालक, आत्मा, किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग, जिला मुरैना ने बताया कि कृषि, मत्स्य पालन, पशुपालन, कृषि अभियांत्रिकी एवं उद्यानिकी के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले किसान इस पुरस्कार के लिए आवेदन कर सकते हैं। किसानों का चयन वर्ष 2025-26 के दौरान उनके द्वारा अपनाई गई उन्नत कृषि तकनीकों, उपज एवं उत्पादकता के आधार पर किया जाएगा। पुरस्कार के लिए आवेदन करने के इच्छुक किसान अपने विकासखंड के वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी कार्यालय अथवा विकासखंड तकनीकी प्रबंधक (आत्मा) से आवेदन पत्र प्राप्त कर सकते हैं। निर्धारित प्रारूप में पूर्ण रूप से भरे गए आवेदन 25 अक्टूबर 2026 तक संबंधित कार्यालय में जमा करना अनिवार्य है। विभाग के अनुसार, पूर्व में सर्वश्रेष्ठ कृषक पुरस्कार के लिए चयनित किसानों को अगले 10 वर्षों तक चयन प्रक्रिया में शामिल नहीं किया जाएगा। विभाग ने किसानों से अपील की है कि वे निर्धारित पात्रता एवं प्रक्रिया के अनुसार समय-सीमा में आवेदन प्रस्तुत कर योजना का लाभ उठाएं।

मझतोरा मोहल्ले में 23 वर्षीय युवक ने घर के अंदर फांसी लगाकर की खुदकुशी

लहार। मझतोरा मोहल्ले में एक दर्दनाक घटना सामने आई है, जहाँ 23 वर्षीय युवक यूनुस अहमद ने अज्ञात कारणों के चलते घर के अंदर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना के बाद से परिजनों में कोहराम मच गया है। इकबाल अहमद के 23 वर्षीय पुत्र यूनुस अहमद ने संदिग्ध परिस्थितियों में घर के कमरे में फांसी का फंदा लगाकर जान दे दी। परिजनों ने जब यूनुस को फंदे से लटकता देखा तो चीख-पुकार मच गई। आनन-फानन में आस-पास के लोग मौके पर जुटे, लेकिन तब तक युवक की सांसें थम चुकी थीं।

15,16 अक्टूबर को अग्रसेन जयंती के उपलक्ष्य में EN 11 रिसोर्ट में आयोजित कार्यक्रम के लिए आवागमन के लिए विशेष व्यवस्था की गई है, चैम्बर ऑफ़ कॉमर्स से 1 बजे से बस और इनोवा गाड़ी की व्यवस्था की गई है, उसी प्रकार आने की भी पूर्ण रूप से व्यस्था रहेगी , जो भी इसे पड़े वो अन्य अग्रवाल बंधु को सूचित करें।

प्रेस्टीज संस्थान में 'आरोहण' कार्यक्रम, राज्य अधिवक्ता परिषद के नवनियुक्त सदस्यों का सम्मान

विधि के विद्यार्थियों को न्याय, नैतिकता और सेवा का संदेश

ग्वालियर जीएनएस

प्रेस्टीज प्रबंधन एवं शोध संस्थान, ग्वालियर के विधि विभाग में 9 अक्टूबर को 'आरोहण = नई शुरुआत का उत्सव, विधिक नेतृत्व का सम्मान' कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें मध्यप्रदेश राज्य अधिवक्ता परिषद के नवनियुक्त सदस्यों वरिष्ठ अधिवक्ता जितेंद्र शर्मा, अधिवक्ता दिनेश शुक्ला, गौरव मिश्रा और प्रतीका पाठक का सम्मान किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ सरस्वती वंदना और दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ। इसके बाद अतिथियों का पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया गया।

कार्यक्रम का उद्देश्य विधि के विद्यार्थियों को अनुभवी अधिवक्ताओं के अनुभवों से परिचित कराना और उन्हें अपने करियर में परिश्रम, निष्ठा तथा समर्पण के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करना था।

वरिष्ठ अधिवक्ता जितेंद्र शर्मा ने कहा कि जहां अधिकार है, वहां उपचार भी है और इस सिद्धांत को जीवित रखने का दायित्व अधिवक्ताओं का है। उन्होंने विद्यार्थियों से धैर्य, निरंतर परिश्रम और सेवा भाव के साथ विधि व्यवसाय में आगे बढ़ने का आह्वान किया।

अधिवक्ता दिनेश शुक्ला ने कहा कि सत्य और ईमानदारी विधि व्यवसाय की सबसे बड़ी पूंजी हैं। विद्यार्थियों को समाज और न्याय व्यवस्था के प्रति अपने दायित्वों को समझते हुए नैतिक मूल्यों से कभी समझौता नहीं करना चाहिए। अधिवक्ता गौरव मिश्रा ने कहा कि अधिवक्ता का सर्वोच्च कर्तव्य बिना भय और पक्षपात के न्याय के पक्ष में खड़ा रहना है। उन्होंने विद्यार्थियों को वरिष्ठ अधिवक्ताओं के मार्गदर्शन में व्यावहारिक अनुभव प्राप्त करने की सलाह दी।

अधिवक्ता प्रतीका पाठक ने कहा कि विधि केवल पेशा नहीं, बल्कि समाज के विश्वास की धरोहर है। उन्होंने विद्यार्थियों को अनुशासन, एकाग्रता और निरंतर सीखने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने अपने ही संस्थान से निकलकर इस मंच पर सम्मानित होने को गर्व का क्षण बताया।

विधि विभाग की प्राचार्य प्रो. डॉ. राखी सिंह चौहान ने स्वागत उद्बोधन में अतिथियों को बधाई देते हुए कहा कि विधि व्यवसाय में सफलता निरंतर परिश्रम, अनुशासन और नैतिकता से प्राप्त होती है। उन्होंने विद्यार्थियों से अतिथियों के अनुभवों और मार्गदर्शन का लाभ उठाने का आग्रह किया। इस अवसर पर उन्होंने सभी अतिथियों को स्मृति चिह्न भेंट कर सम्मानित किया।

कार्यक्रम के अंत में सह-प्राध्यापक राहुल श्रीवास्तव ने आभार व्यक्त किया। संचालन विद्यार्थी कार्तिकेय बंसल और दीपांजलि कुशवाहा ने किया। इस अवसर पर विधि विभाग के सह-प्राध्यापक आबिल हुसैन, मानसी गुप्ता, मानसी सोनी, जिज्ञासा वोहरा, साहिल वर्मा, डॉ. आदित्य नारायण मिश्रा, डॉ. ऋचा मित्तल और डॉ. दीक्षा भदोरिया उपस्थित रहे।

कैंसर जागरूकता रैली में 44 क्लबों की सहभागिता, म्यूजिकल नाइट ने बांधा समां

ग्वालियर जीएनएस

लायंस क्लब ऑफ ग्वालियर के सेवा सप्ताह 2026 के समापन समारोह के अवसर पर गुरुवार को कैंसर जागरूकता रैली निकाली गई। फूलबाग स्थित रावलदास मार्ट से शाम 5 बजे शुरू हुई रैली में 44 लायंस क्लबों के सदस्यों ने भाग लिया। क्लबों के बैनर और जागरूकता संदेशों वाले नारों के साथ निकली रैली विभिन्न मार्गों से होते हुए लायंस पार्क पहुंची। रैली के माध्यम से नागरिकों को कैंसर के प्रति जागरूक रहने, समय पर जांच कराने और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने का संदेश दिया गया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता लायंस क्लब ऑफ ग्वालियर के अध्यक्ष नरेंद्र अग्रवाल ने की। आयोजन में एसवीडीजी सीएस तोमर, डिस्ट्रिक्ट सर्विस वीक चेयरमैन नरेंद्र सिंघल, चीफ एरिया लीडर अजय सपरा, रीजन चेयरपर्सन राकेश अग्रवाल, जोन चेयरपर्सन रामकरण पारिक, जीएलटी कोऑर्डिनेटर जगदीश मित्तल, सर्विस वीक कन्वीनर संदीप जैन और सलाहकार केशव वैश्य सहित विभिन्न पदाधिकारी मौजूद रहे। इसके अलावा मानसेवी सचिव पुनीत अग्रवाल, कोषाध्यक्ष राहुल गोयल तथा पूर्व डिस्ट्रिक्ट गवर्नर जीएल भोजवानी, नितिन मंगलिक और सुनील गोयल भी उपस्थित रहे। 44 क्लबों की पीएसटी टीमों, पदाधिकारियों और सदस्यों ने उत्साह के साथ सहभागिता की।

समापन समारोह का विशेष आकर्षण भव्य म्यूजिकल नाइट रही। देशभक्ति गीतों की प्रस्तुतियों ने राष्ट्रप्रेम का भाव जगाया, वहीं लोकप्रिय गीतों ने श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। 'दमादम मस्त कलंदर', फिल्म 'दोस्ताना' के गीतों और 'ये दोस्ती हम नहीं तोड़ेंगे' जैसी प्रस्तुतियों पर उपस्थित लोगों ने भरपूर आनंद लिया। संगीत और मनोरंजन से सजी इस शाम में लायन सदस्यों और उनके परिवारों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

म्यूजिकल नाइट ने आपसी मेल-मिलाप, मित्रता और सौहार्द को मजबूत करने का अवसर दिया। सेवा, संगीत और सामाजिक जागरूकता के संगम ने सेवा सप्ताह के समापन समारोह को यादगार बनाया। कार्यक्रम के अंत में मानसेवी सचिव पुनीत अग्रवाल ने मुख्य अतिथि, पूर्व डिस्ट्रिक्ट गवर्नर, पदाधिकारियों, अतिथियों और सभी 44 क्लबों से आए सदस्यों के प्रति आभार व्यक्त किया।

राजस्थानी परिधानों में महिलाओं ने दी मनमोहक प्रस्तुतियां

ग्वालियर जीएनएस

अग्रवाल मित्र मंडल की ओर से राजस्थानी नृत्य प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में 16 वर्ष से अधिक आयु की महिलाओं और युवतियों ने पारंपरिक राजस्थानी परिधानों में सजकर विभिन्न राजस्थानी गीतों पर आकर्षक नृत्य प्रस्तुतियां दीं। प्रतिभागियों ने अपनी कला और नृत्य कौशल से उपस्थित लोगों का मन मोह लिया। प्रतियोगिता में गरिमा गुप्ता ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। आरती और ईशिता जैन संयुक्त रूप से द्वितीय स्थान पर रहीं, जबकि चारुल मंगल को तृतीय पुरस्कार प्रदान किया गया।

श्रीचंद वलेचा के जन्मदिन पर 700 मरीजों और परिजनों को कराया भोजन

ग्वालियर जीएनएस

सिंध नवयुवक सामाजिक सुरक्षा मंडल की ओर से पूज्य सिंधू हिंदू जनरल पंचायत के अध्यक्ष एवं मंडल के संस्थापक स्व. श्रीचंद वलेचा के जन्मदिवस पर सेवा कार्य किया गया। इस अवसर पर कैंसर अस्पताल और जयारोग्य अस्पताल में दोपहर 1 से 3 बजे तक करीब 700 मरीजों और उनके परिजनों को भोजन वितरित किया गया।

मंडल के अध्यक्ष मुकेश वासवानी और उपाध्यक्ष आलोक आहूजा ने बताया कि भोजन वितरण के दौरान पूज्य सिंध हिंदू जनरल पंचायत के कार्यवाहक अध्यक्ष विजय वलेचा, महासचिव

श्रीचंद पंजाबी, वरिष्ठ समाजसेवी देवशरण श्रीवास्तव, अमृत माखीजानी, सुरक्षा मंडल के संयुक्त अध्यक्ष रमेश रुपानी, महासचिव ओमप्रकाश माखीजा, मोनू कुकरेजा, ओमप्रकाश छाबड़ा, दिलीप हूंडवानी और चंद्रकुमार चोईथानी सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

इसके अलावा रात में पड़ाव स्थित होटल विनायक में कार्यक्रम आयोजित किया गया। यहां केक काटकर स्व. श्रीचंद वलेचा का जन्मदिन हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस दौरान समाज के लोगों ने उन्हें याद करते हुए उनके सेवा कार्यों और सामाजिक योगदान को स्मरण किया।

रामलीला का शुभारंभ आज, पहले दिन होगा नारद मोह का मंचन

ग्वालियर जीएनएस

श्रीरामलीला समारोह समिति की ओर से शनिवार रात 8 बजे रामलीला का शुभारंभ मंत्री नारायण सिंह कुशवाह करेंगे। इससे पहले शुक्रवार को पंडित अंकित शर्मा के मुखारविंद से संगीतमय सुंदरकांड पाठ हुआ। पाठ के बाद प्रसादी वितरित की गई। उद्घाटन अवसर पर भगवान श्रीराम दरबार की आरती, गुब्बारे उड़ाने, भजन और आतिशबाजी का आयोजन होगा। पहले दिन शिव-पार्वती संवाद और नारद मोह की लीला का मंचन किया जाएगा। समिति अध्यक्ष राधेश्याम भाकर, महामंत्री विजय गोयल और कार्यक्रम संयोजक रमेश अग्रवाल सहित पदाधिकारियों ने शहरवासियों से सपरिवार रामलीला में शामिल होने की अपील की।

ख्वाजा खानून साहब के उर्स में आज होगी महिलाओं की मीलाद

ग्वालियर जीएनएस। हजरत ख्वाजा खानून साहब के उर्स मेले के दूसरे दिन दरगाह में रूहानी माहौल रहा। एक ओर कव्वालों ने दरगाह का तवाफ करते हुए सूफियाना कलाम पेश किया, वहीं दूसरी ओर सज्जादानशीन हजरत ख्वाजा राशिद खानूनी साहब ने केवड़ा, गुलाबजल और इत्र से मजार शरीफ पर गुसल की परंपरागत रस्म अदा की।

इस दौरान नायब सज्जादानशीन डॉ. ऐजाज खानूनी, पीरजादा साकिब खानूनी, मुआज खानूनी सहित खास मुरीद मौजूद रहे। सज्जादानशीन ने विशेष दुआ की और जायरीन को तबर्रुक वितरित किया गया। शाम पांच बजे दुआ के बाद डॉ. गुलफाम और उनके साथियों ने दरगाह हजरत मीर बादशाह की ओर से चादर पेश की। इसके साथ ही क्षेत्र की अन्य दरगाहों की ओर से भी चादरपोशी की गई। उर्स के तीसरे दिन आज सुबह 10 बजे से महिलाओं की मीलाद शरीफ का आयोजन होगा। सज्जादानशीन हजरत ख्वाजा राशिद खानूनी साहब की सरपरस्ती में होने वाला यह विशेष आयोजन ख्वाजा साहब की दरगाह पर किया जाता है, जिसमें महिलाएं मीलाद पेश करती हैं।

नाम परिवर्तन सूचना

मेरे पुत्र का सही नाम प्रेम लुंडवानी (PREM LUNDWANI) है यही नाम उसके जन्म प्रमाणपत्र, शैक्षणिक दस्तावेज आदि में दर्ज है। जबकि मेरे पुत्र के आधार कार्ड में त्रुटिवश उसका नाम प्रेमकुमार (PREMKUMAR) दर्ज हो गया हैं। प्रेम लुंडवानी (PREM LUNDWANI) और प्रेमकुमार (PREMKUMAR) दोनों नाम मेरे एक ही पुत्र के हैं। अतः इस सूचना प्रकाशन उपरांत मेरे पुत्र के आधार कार्ड एवं समस्त शासकीय/अशासकीय दस्तावेजों में उसका नाम प्रेमकुमार (PREMKUMAR) के स्थान पर प्रेम लुंडवानी (PREM LUNDWANI) पुत्र संजय कुमार पढ़ा लिखा व दर्ज किया जावे।

आवेदक : **संजय कुमार**

पुत्र श्रीचंद निवासी-श्रीकृष्ण नगर, हैदरगंज, लश्कर, ग्वालियर (म.प्र.)

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक रामकिशन तायल 'फौजी' ने श्रमसाधना प्रिन्टर्स, भगवती निवास पारखजी का बाड़ा दौलतगंज, ग्वालियर से मुद्रित एवं प्रकाशित। सम्पादक : महेश तायल समाचार चयन हेतु पीआरबी एक्ट के तहत अधिकृत
e.mail- Shramsadhnagwl@gmail.com ph. 0751-2625029, 98270 17078, 9425007142 समाचार पत्र में प्रकाशित सभी आलेखों में लेखकों के अपने विचार हैं। सभी विवादों का न्याय क्षेत्र ग्वालियर होगा।